हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ड्रोन फोटोः भूपेश जांगड़े

बादलों का डेरा

सामान्य दिनों में 450 मीटर की ऊंचाई पर होते हैं

300 मीटर की ऊंचाई पर हरिभूमि के ड्रोन से कैद तस्वीर

हरिभूमि न्यूज/रायपुर। राजधानी समेत प्रदेश को तरबतर करने वाले बादलों ने शहर के ऊपर डेरा जमा लिया है। सामान्य दिनों में 450 मीटर की ऊंचाई पर रहने वाले बादल बारिश के दिनों में 300 मीटर से भी नीचे आ गए हैं। हरिभूमि के ड्रोन ने इधर-उधर मंडराते बादलों की तस्वीर को कैद किया है। जब बारिश की गतिविधि काफी अधिक बढ़ जाती है, तो बादल 180 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि वातावरण में जब नमी की मात्रा बढ़ जाती है और काले बादल तेजी से इधर-उधर आते-जाते नजर आते हैं, वो पानी की बूंदों ▶▶|शेष पेज 6 पर

छग के कई इलाकों में जल प्रहार, बांध से छोड़ा पानी खारुन, शिवनाथ लबालब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/राजनांदगांव/भिलाई/गीदम

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने प्रदेश के कई हिस्सों में जन-जीनव अस्त-व्यस्त कर दिया है। पड़ोरी राज्य महाराष्ट्र में हुई बारिश का असर भी छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती जिलों में दिखाई दिया है। वहीं बस्तर, संभाग के दंतेवाड़ा जिले में इंद्रावती नदी में तेज बहाव के कारण नाव पलटने की भी जानकारी सामने आई है। घटना में दो लोग नदी में बह गए, जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी जान बचा ली है। वहीं, दूसरे का अभी तक पता नहीं चल सका है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

इंद्रावती नदी ने नाव पलटने से 2 बहे, 1 लापता

दंतेवाड़ा जिले के गीदम ब्लॉक के बारसूर थाना क्षेत्र के गुडरा गांव के नजदीक मंगलवार की शाम नाव पलटने से 2 ग्रामीण बह गए। इनमें से एक ग्रामीण तेजी बहाव से किसी तरह बचकर निकल गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

महमरा एनीकट 8 फीट ऊपर बह रहा

दुर्ग की शिवनाथ नदी भारी बारिश की वजह से ऊफान पर है। यहां का महमरा एनीकट से 8 फीट ऊपर पानी बह रहा है। जिसकी वजह से इस मार्ग की आवाजाही बंद हो गई है। शिवनाथ नदी में घूमरिया बैराज, मोंगरा बैराज, सूखा नाला बैराज और खातूटोला से 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

गगनयान प्रणोदन प्रणाली का हुआ 'हॉट टेस्ट'

बेंगलुरु। इसरो ने तीन जुलाई को महेंद्रगिरि में अपने प्रणोदन परिसर में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रणोदन प्रणाली के दो 'हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरे किए। इसरो ने कहा कि ये परीक्षण बेहद कम समय क्रमशः 30 सेकंड और 100 सेकंड तक चले, जिनका उद्देश्य नमूना विन्यास को सत्यापित करना था। प्रणोदन प्रणाली का कुल प्रदर्शन परीक्षण सामान्य रहा।

हवाई अड्डे पर फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर 23 वर्षीय व्यक्ति को फर्जी पहचान पत्र और फर्जी नियुक्ति दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कथित तौर पर दिल्ली पुलिस का उपनिरीक्षक बनकर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान साहिल कुमार के रूप में हुई है जो राजस्थान के अलवर जिले में लाडपुर का रहने वाला है। आरोपी पुलिस कर्मियों समेत महिलाओं से दोस्ती और उन्हें निशाना बनाने फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करता था।

आलिया भट्ट से धोखाधड़ी पूर्व सहायक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ 76.9 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में पूर्व निजी सहायक को गिरफ्तार किया है। धोखाधड़ी का यह सिलसिला मई 2022 से अगस्त 2024 के बीच दो वर्षों से ज्यादा समय तक चला। आरोपी वेदिका प्रकाश शेट्टी को मंगलवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर पांच दिनों की ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया गया था।

खेत में पानी से भरे गड्ढे में मिले चार बच्चों के शव

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के एक गांव में बुधवार सुबह पानी से भरे गड्ढे में चार आदिवासी बच्चों के शव बरामद किए गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है।घटना यमुना नगर की मेजा तहसील के गांव बेदौली की है। उसने बताया कि बच्चों की पहचान वैष्णवी (तीन), हुनर (पांच), कान्हा (पांच), खेसारी (पांच) के रूप में की गई है। ये बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे, लेकिन जब शाम को घर नहीं लौटे तो इनके परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

विधायक, सांसदों को हजार दिन की कार्ययोजना बनाकर काम करने का दिया टास्क

मंत्री-विधायकों को महामंत्री ने दिया जीत का मंत्र कहा, जनता से शालीन व्यवहार ही जीत की गारंटी

भाजपा प्रशिक्षण शिविर का समापन

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग के समापन यानी आखिरी दिन भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने प्रदेश के मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा, जनता के साथ आपका व्यवहार ही आपके जीतने की गारंटी है। अगर आप चाहते हैं कि फिर से जीतें तो आपका जनता के साथ व्यवहार शालीन होना चाहिए। यही नहीं आपको कार्यकर्ताओं का भी ध्यान रखना है। कार्यकर्ता ही आपके लिए जीत का रास्ता तैयार करते हैं। सभी से हजार दिनों की कार्य योजना बनाकर काम करने का टास्क भी दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपाट

मैनपाट में भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग के अंतिम दिन समापन के मुख्य अतिथि बीएल संतोष रहे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के साथ रही विधायकों और सांसदों को जीत का मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा, आपकी जीत आपके व्यवहार पर ही निर्भर करती है। आपका व्यवहार जनता के साथ जितना अच्छा होगा आपके जीतने की संभावना ज्यादा रहेगी। जनता को कभी इस बात का अहसास नहीं होना चाहिए कि उन्होंने आपको वोट देकर गलत किया है। आप जनता के जितने करीब रहेंगे और ▶▶|शेष पेज 6 पर

खास खबर

जो पहले साथ थे, उनको न भूलें

उन्होंने कहा, आपको इस बात पर भी मंथन करना होगा जब आप विधायक या सांसद नहीं थे तो आपके साथ कौन-कौन थे, और जब आप आज विधायक या सांसद बन गए हैं को आपके साथ कौन-कौन हैं। किसी भी हाल में पुराने साथियों को नाराज न करें और उनका साथ न छोड़े।

अभी से करें काम

श्री संतोष ने कहा, आप यह मत सोचे हैं चुनाव में अभी तो तीन साल से ज्यादा का समय है, चुनाव आएगा तब देख लेंगे। आप लोगों के पास हजार दिनों का समय है। हजार दिनों की कार्य योजना बनाकर अभी से ▶▶|शेष पेज 6 पर

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर अभयराम ने दी जानकारी

सुबह के सत्र में आरएसएस के प्रांत प्रचारक अभय राम ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर होने वाले कार्यक्रम के बारे में सबको अवगत कराया और अपने विचार भी रखे।

रास्ते से लौटे महापौर और जिपं अध्यक्ष

समापन सत्र के लिए प्रदेश के दस नगर निगमों के भाजपा के महापौर और जिला पंचायत अध्यक्षों को भी बुलाया गया था, लेकिन अचानक केंद्रीय मंत्री अमित शाह का आना रद्द होने के कारण महापौर और जिपं अध्यक्ष को जब इसकी सूचना दी गई तो ज्यादातर लोग रास्ते में थे, ऐसे में उनको उल्टे पैर वापस लौटना पड़ा। कुछ लोग अंबिकापुर तक पहुंच गए थे क्योंकि एक दिन पहले उनको वहां रूकना था,. लेकिन ये भी वापस लौट गए।

नरेंद्र तोमर और सौदान आज रायपुर प्रवास पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह गुरुवार को रायपुर प्रवास पर आ रहे हैं। श्री तोमर भोपाल से नियमित विमान से 11.10 बजे माना विमान तल पहुंचेंगे। वहां से वे रायपुर के सर्किट हाउस जाएंगे। थोड़ी देर विश्राम करने के बाद वे एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उसके बाद दिल्ली रवाना हो जाएंगे। भाजपा के उपाध्यक्ष सौदान सिंह नई दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 2.15 बजे रायपुर ▶▶|शेष पेज 6 पर

राजस्थान के चुरू जिले में हादसा

फाइटर प्लेन जगुआर खेत में क्रैश, दो पायलट शहीद

एजेंसी ▶▶| जयपुर/नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षण विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे पायलट और को-पायलट शहीद हो गए। वायु सेना ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' के आदेश दिये गए हैं। बयान में कहा गया, वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षण विमान आज राजस्थान के चुरू के पास एक ▶▶|शेष पेज 6 पर

पक्षी से टकराया विमान पटना लौटा

पटना। पटना से 175 यात्रियों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान से पक्षी टकरा गया, जिसके बाद इंजन में तकनीकी खराबी आने से विमान जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। सभी 175 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

अमेरिका में गिरफ्तार हुई मोनिका भारत ला रही सीबीआई की टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई अधिकारियों ने कथित आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को अमेरिका से प्रत्यर्पित किये जाने के बाद हिरासत में लिया तथा भारत के लिए रवाना हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कपूर करीब 25 साल से अधिक समय से फरार थी। अधिकारियों ने बताया कि कपूर के खिलाफ 'इंटरपोल रेड नोटिस' जारी किया गया था। सीबीआई की एक टीम ने उसे अमेरिका ▶▶|शेष पेज 6 पर

करोड़ों का स्कैम

मोनिका कपूर ने अपने भाइयों राजन खन्ना और राजीव खन्ना के साथ मिलकर 1998 में फर्जी एक्सपोर्ट बिल, शिपिंग बिल, इनवॉइस, एक्सपोर्ट के बैंक सर्टिफिकेट के जरिए 2 करोड़ 36 लाख रुपए के ड्यूटी फ्री गोल्ड के इम्पोर्ट के ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रत्यर्पण संधि के तहत प्रत्यर्पण

'यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट फॉर द ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क' ने 2012 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत कपूर के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। अमेरिकी अदालतों के दस्तावेजों के अनुसार, उसने विदेश मंत्री से अपील की थी।

स्टारलिंक को भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा की इजाजत

अब सीधे आसमान से आएगा इंटरनेट!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अब भारत में भी इंटरनेट सीधे आसमान से आने वाला है। भारत के अंतरिक्ष नियामक इन-स्पेस ने अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक को देश में उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने का लाइसेंस प्रदान किया है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसने 'स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस' को भारत में 'स्टारलिंक जेन1 कॉन्स्टेलेशन' क्षमता के प्रावधान को सक्षम करने की मंजूरी ▶▶|शेष पेज 6 पर

पहले किन्हें मिलेगी इंटरनेट सर्विस?

स्टारलिंक ने भारत की कुछ वीसैट कंपनियों से समझौता किया है। इसका मतलब है कि शुरुआत में यह इंटरनेट सेवा बिजनेस और सरकारी संस्थानों को दी जाएगी. बाद में आम लोग भी कंपनी की वेबसाइट से कनेक्शन ले सकेंगे।

अमेजन की क्यूपर अभी लाइन में

स्टारलिंक की सबसे बड़ी टक्कर अमेजन की क्यूपर से है, जो अभी इन-स्पेस और डीओटी से मंजूरी का इंतजार कर रही है। क्यूपर भारत में 10 गेटवे स्टेशन और मुंबई-चेन्नई में दो बड़े ऑपरेशन सेंटर बनाना चाहती है।

स्टारलिंक को लेना होगा स्पेक्ट्रम

दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट लाइसेंस दिया है। इस लाइसेंस के मिलने से स्टारलिंक वनवेब और रिलायंस जियो के बाद भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने वाली तीसरी कंपनी बन गई है। स्टारलिंक को अब सरकार से स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा। उसे जमीनी स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा। इसके साथ ही कंपनी को टेस्ट के जरिए यह भी साबित करना होगा कि वह उन सुरक्षा नियमों को पूरा करती है जिनके लिए उसने अनुबंध किया है।

तेंदूपत्ता बोनस घोटाला, समिति प्रबंधक राजशेखर ईओडब्लू की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

संग्राहकों को दी जाने वाली 7 करोड़ की राशि की बंदरबाट

तेंदूपत्ता संग्राहकों को वितरित करने मिले 7 करोड़ रुपये की बंदरबाट करने के मामले में ईओडब्लू की टीम ने 13वीं गिरफ्तारी की है। इस बार फुलबगड़ी के समिति प्रबंधक राजशेखर पुराणिक को गिरफ्तार किया गया है। इस घोटाले को तत्कालीन वनमंडल अधिकारी अशोक कुमार पटेल ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था।

वर्ष 2021-22 में तत्कालीन वनमंडलाधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए तेंदूपत्ता प्रोत्साहन पारिश्रमिक में संग्राहकों को दी जाने वाली राशि 7 करोड़ का गोलमाल किया था। इस मामले में साक्ष्य पाए जाने पर ईओडब्ल्यू ने आरोपी राजशेखर पुराणिक, समिति प्रबंधक प्राथमिक लघुवनोपज सहकारी समिति फुलबगड़ी एवं पर्यवेक्षक प्रबंध संचालक कार्यालय जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित जिला सुकमा को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अशोक कुमार पटेल के अलावा पूर्व में उपवन क्षेत्रपाल चैतूराम बघेल, देवनाथ भारद्वाज पोड़ियामी इड़िमा उर्फ हिडमा, वन रक्षक मनीष कुमार बारसे के अलावा लघुवनोपज समिति के प्रबंधक मनोज कवासी, पायम सत्यनारायण उर्फ शत्रु, मोहम्मद शरीफ, सीएच रमना (चिटूरी), सुनील नुप्पो, रवि कुमार गुप्ता आयतू कोरसा शामिल हैं।

कस्टम मिलिंग घोटाला, अनिल टुटेजा और अनवर गिरफ्तार, 14 तक होगी पूछताछ

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शराब घोटाले में जेल में बंद थे, प्रोटक्शन वारंट में पेश कर की गई गिरफ्तारी

बड़े घोटालों में से कस्टम मिलिंग घोटाले में ईओडब्लू की टीम ने अनवर ढेबर और अनिल टूटेजा को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों शराब घोटाले में पहले से ही जेल में बंद थे। प्रोटक्शन वारंट के जरिए उन्हें विशेष अदालत में पेशकर पूछताछ के लिए 14 जुलाई तक रिमांड पर लिया गया है।

140 करोड़ के कस्टम मिलिंग घोटाले की जांच आर्थिक अपराध एवं अंवेषण ब्यूरो कर रही है। इस मामले में जांच टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए अनिल टूटेजा और अनवर ढेबर को घोटाले में संलिप्तता और राइस मिलरों से वसूली के आरोप में 11 (13 (1) (क) 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं धारा 102 बी, 384 एवं 409 भादवि के तहत गिरफ्तार किया है। इस बीच टूटेजा द्वारा कोर्ट के समक्ष अपनी गिरफ्तारी को साजिश का हिस्सा बताया गया। उन्होंने कहा कि जिस एफआईआर क्रमांक 01/2024 के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया है, वह 16 जनवरी 2024 को दर्ज की गई थी और इससे जुड़ी जांच को 18 महीने बीत चुके हैं। इसके बावजूद, उन्हें अब तक इस मामले में न तो बुलाया गया और न ही उनसे कोई पूछताछ की गई। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जब कस्टम मिलिंग का यह कथित घोटाला हुआ, उन दिनों वे खाद्य विभाग में पदस्थ ही नहीं थे। वे वर्ष 2019 से 2023 तक केवल उद्योग विभाग में कार्यरत थे और उन्होंने खाद्य विभाग से जुड़ी कोई फाइल नहीं देखी। टूटेजा ने कहा कि उन्हें शराब घोटाले में मास्टरमाइंड बताया गया, जहां 61 करोड़ रुपये की कथित रिश्वत का आरोप लगा, और अब चावल घोटाले में भी 20 से 22 करोड़ रुपये मिलने की बात कही जा रही है, जबकि दोनों ही मामलों में उनके खिलाफ कोई ठोस प्रमाण नहीं है। उन्होंने यह गिरफ्तारी "इंश्योरेंस अरेस्ट" करार देते हुए कहा कि यह सिर्फ उन्हें जमानत मिलने से रोकने के लिए की गई कार्रवाई है। न्यायालय ने ईओडब्लू द्वारा मामले में इंवेस्टीगेशन जारी होने और दोनों आरोपियों से पूछताछ की जरूरत बताई। इस आधार पर उन्हें 14 जुलाई तक रिमांड पर सौंपा गया है।

सरकार को घेरने विपक्ष उठाएगा कई मुद्दे

विधानसभा का मानसून सत्र होगा हंगामेदार विधायकों के तीखे तेवर, लगाए 996 सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस बार विधानसभा के मानसून सत्र में जमकर हंगामा होने के आसार हैं। यह सत्र 14 से 18 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। समय कम होने की वजह से सरकार को घेरने के लिए विपक्ष हर दिन स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। इसकी अंतिम रणनीति विधायक दल की बैठक में बनेगी।

किसानों को खाद बीज की समस्या, कानून व्यवस्था, युक्तियुक्त करण, पेड़ की कटाई, अवैध रेत और अवैध शराब सहित अन्य मुद्दों को लेकर सवाल लगे

विधानसभा में विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों के भी तीखे तेवर देखने को मिल सकते हैं। यही वजह है कि मानसून सत्र के लिए विधायकों ने 996 सवाल लगाए हैं। चूंकि राज्य सरकार को करीब डेढ़ साल हो गए हैं, इसलिए माना जा रहा है कि इस बार भाजपा सरकार में हुई गड़बड़ियों के सवाल को प्रमुखता से उठाया जाएगा। मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए इस बार विपक्ष के पास मुद्दों की कमी नहीं है। इसमें किसानों को खाद बीज की समस्या, कानून व्यवस्था, युक्तियुक्त करण, कानून व्यवस्था, पेड़ की कटाई, अवैध रेत और अवैध शराब सहित अन्य मुद्दों को लेकर सवाल लगे हैं। इसके साथ भारत माला परियोजना में हुए भ्रष्टाचार पर इस बार भी सदन गरमा सकता है। ऐसे में सदन के अंदर गहमागहमी देखने को मिलेगी।

खास खबर

सत्र के दौरान पेश होंगे विधेयक

मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार कई विधेयक पेश कर सकती है। राजस्व, आवास एवं पर्यावरण विभाग के विधेयक आने की संभावना है। वहीं राज्य सरकार द्वारा अन्य विषयों पर भी विधेयक लाया जा सकता है। सत्र के दौरान राज्य सरकार अनुपूरक बजट भी ला सकती है।

विपक्ष के तेवर आक्रामक रहेंगे

विपक्ष सत्र के दौरान आक्रामक तेवर दिखाएगा। सरकार के कामकाज को लेकर कई सवालों के अलावा चर्चा के दौरान विभागों में चल रही गड़बड़ियों पर सवाल उठाएगा। संगठन द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद सदन में सरकार को घेरने विपक्ष तैयारी कर रहा है। आने वाले दिनों में होने वाली विधायक दल की बैठक में इसकी रणनीति तय होगी।

प्रदेशभर के 16 हजार एनएचएम कर्मचारी आज से करेंगे हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के 16 हजार एनएचएम कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांग को लेकर 10 जुलाई से चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के आव्हान पर संविलयन, स्थायीकरण, पब्लिक हेल्थ केडर की स्थापना और ग्रेड पे निर्धारण सहित अन्य मांग को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी ने कहा है कि पिछले दो साल से संघ ने शासन-प्रशासन से हर स्तर पर संवाद के प्रयास किए, पर कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। ऐसे में अब संविदा कर्मचारियों का धैर्य टूट चुका है। 10 जुलाई से सिलसिलेवार विरोध प्रदर्शन की शुरुआत होगी।

10 सूत्रीय मांग को लेकर प्रदर्शन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत दो दशक से काम कर रहे प्रदेश के 16 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रथम चरण में 10 जुलाई को भोजन अवकाश के दौरान स्थानीय विधायकों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी तरह 11 जुलाई को भाजपा के सभी जिला अध्यक्षों को मोदी की गारंटी की याद दिलाते हुए 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा जाएगा। आंदोलन के तीसरे चरण में 12 से 16 जुलाई तक एनएचएम कर्मचारी कार्यालयों में काली पट्टी लगाकर काम करेंगे। चौथे चरण में 16 जुलाई को जिला स्तर पर ताली थाली के साथ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मांग पूरी नहीं होने पर 17 जुलाई को प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारी विधानसभा घेराव करने कूच करेंगे।

लावारिस मिली गैंगस्टर नेपाली की लग्जरी कार

भिलाई। गैंगस्टर फरार आरोपी दीपक कुमार सिंह उर्फ दीपक नेपाली जिस कार को चलवाया करता था। लावारिस हालत में पेट्रोल पंप में मिली है। पुलिस ने कार को जब्त कर थाने लेकर आई है। एएसपी एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि टाउन पेट्रोलिंग के दौरान गौरव पथ स्थित पेट्रोल पंप में ऑडी वाहन डी.एल-1 सी.एस 6642,पजेरो वाहन डीएल 1 सी.क्यु 1303 लावारिस हालत में खड़ी थी। वाहन को लेकर पेट्रोल पंप वालो से पूछताछ करने पर बताया गया कि शुभम यादव उक्त वाहनो में डीजल डलवाता है।

दूसरा साक्ष्य केवल तभी स्वीकार किया जा सकता है, जब मूल दस्तावेज खो गया या फिर नष्ट कर दिया गया हो

बिलासपुर। हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मूल दस्तावेज को छिपाए या दबाए जाने की स्थिति में क्रास एग्जामिनेशन के दौरान दूसरा साक्ष्य या दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जा सकता। दूसरा साक्ष्य केवल तभी स्वीकार किया जा सकता है, जब मूल दस्तावेज खो गया या फिर नष्ट कर दिया गया हो।

जानबूझकर नष्ट किए जाना प्रमाणित होने की स्थिति में भी स्वीकार किया जा सकता है। डिवीजन बेंच ने कहा कि जांच या फिर प्रारंभिक चरणों में इसे पेश नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि जो पक्ष साक्ष्य पेश करना चाहता है, उसे बताना होगा और यह साबित करना होगा कि मूल साक्ष्य पेश ना करने के पीछे कारण क्या है। डिवीजन बेंच ने साक्ष्य अधिनियम, 1872 में दिए गए प्रावधान का हवाला देते हुए लिखा है कि जो बातें कही गई है उन सभी तथ्यों को प्राथमिक साक्ष्य के साथ स्थापित करना होगा। नए साक्ष्य अपवाद स्वरूप ही स्वीकार किए जाएंगे। इसमें भी मूल तथ्यों और बातों को गंभीरता के साथ रखना होगा उसे सिद्ध करने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

शारीरिक संबंध बनाकर फिर शादी से इनकार

याचिकाकर्ता के खिलाफ एक महिला ने आईपीसी की धारा 376 और 417 के तहत एफआईआर दर्ज कराई। इसमें कहा गया कि शादी का वादा करते हुए संबंध बनाए गए और फिर इंकार कर दिया। पुलिस ने याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया। ट्रायल कोर्ट में पीड़िता ने गवाही के दौरान एग्रीमेंट की कापी पेश की,जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इस पर याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि शिकायतकर्ता ने इकरारनामा न तो जांच के दौरान प्रस्तुत किया , न ही सीआरपीसी की धारा 161 या 164 के तहत और ना ही बयान के समय इसे पेश किया गया। पेश किए गए एग्रीमेंट को रिकार्ड पर लेने के समय शिकायतकर्ता ने आवेदन पेश नहीं किया था। इसके बाद भी क्रास एक्जामिनेशन के दौरान एग्रीमेंट की फोटोकापी कोर्ट में पेश की गई और बिना सूचना दिए इसे स्वीकार भी कर लिया।

इकरारनामा चार्जशीट का हिस्सा नहीं

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा कि अधिनियम की धारा 65 से स्पष्ट होता है कि द्वितीयक साक्ष्य तभी दिया जा सकता है जब मूल दस्तावेज उस व्यक्ति के पास हो, जिसके खिलाफ दस्तावेज प्रस्तुत किया जा रहा है। दूसरी परिस्थिति में धारा 66 के तहत नोटिस देने के बावजूद वह दस्तावेज पेश करने में आनाकानी कर रहा हो। डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा है कि जब तक यह प्रमाणित न हो कि दस्तावेज खो गया या रोका गया, तब तक द्वितीयक साक्ष्य स्वीकार नहीं किया जा सकता है। डिवीजन बेंच ने कहा है कि इस मामले में प्रस्तुत इकरारनामा न तो चार्जशीट का हिस्सा है और न ही पीड़िता ने इसे जांच के दौरान प्रस्तुत किया, इसलिए इसे क्रॉस एक्जामिनेशन के दौरान अचानक प्रस्तुत करना और स्वीकार करना विधिसम्मत नहीं है।

राशिफल

मेष — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला — वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 5923

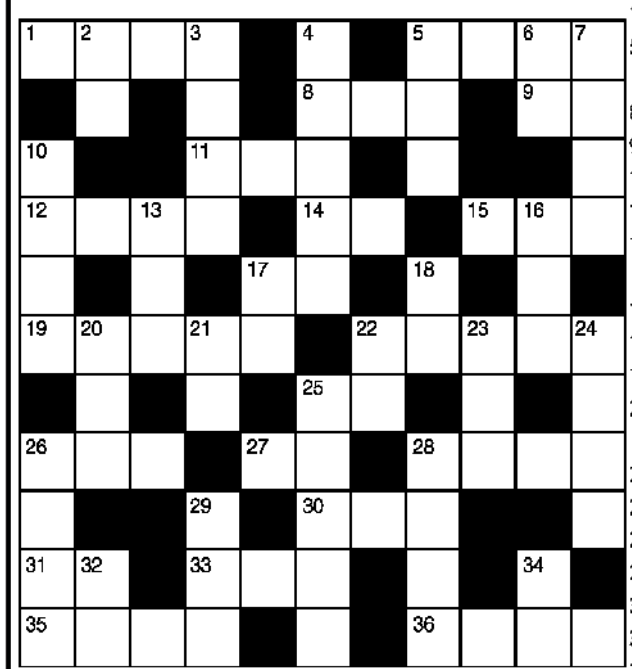

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 5922 का हल

	सो	बि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
वा		म	व	लि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			या	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
ल	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		ज्ञा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

सूडोकु नवताल - 5933

कठिनतम

	9	7			6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5932 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

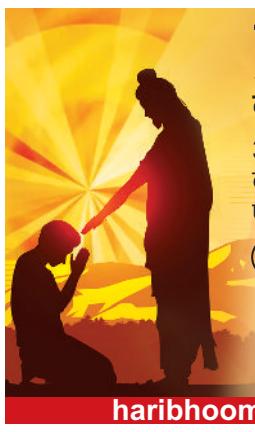

बिलासपुर

गुरुवार 10 जुलाई 2025

आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा

वर्ष : 25, अंक : 109

पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 30.2

न्यून. 24.2

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

• खून की कमी • पेडू में दर्द • कमर कटना • तनाव • चिड़चिड़ापन

90 वर्षों से महिलाओं की No.1 औषधि व टॉनिक

• कमज़ोरी • हथेली व तलवों में जलन • खून साफ़ करे • रूप निखारे

आदि में सहायक

पूरे माह रहें एक्टिव, फिट व स्वस्थ

हेमपुष्पा

Helpline: 011-23261111

Samvad-23801Hindi

*Source: Brand Research Report, IBC 2018

गुरु पूर्णिमा आज

गुरु बिन ज्ञान न होत है
गुरु बिन दिशा अजान
गुरु बिन इन्द्रिय न सधें
गुरु बिन बढ़े न शान।

सर्वज्ञानी, सर्वव्यापी, संयम, तप और त्याग की मूर्ति यानी गुरु...आदिकाल से गुरुओं ने ही परंपराओं के साथ शिक्षा, दीक्षा और भौतिक जीवन के संचालन को संभाला हुआ हे। गुरु सबके जीवन में हैं, उनके बिना खुद का और न समाज का कल्याण संभव है। यही वजह है कि हर विद्या में गुरुओं का स्थान शीर्ष पर हैं। उन गुरुओं ने ही शिष्यों को गढ़ा है और वहीं शिष्य उनकी परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं। संगीत,नृत्य के घरानों में भी इस कला को पीढ़ियां संभाल रही हैं। गुरुओं की विरासत को आगे बढ़ाना ही उनके लिए गुरु दक्षिणा है...। गुरु पूर्णिमा पर ऐसे ही गुरुओं और उनकी परंपराओं को हरिभूमि ने सहेजा है।

गुरु दक्षिणा...64 वर्ष में भी 'घराने' को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने थिरक रहे शिष्यों के कदम

- नृत्य की घराना परंपरा को जीवंत रखने अपने स्तर पर जुटे हैं शिष्य, कहा- गुरु के दिए संस्कार ही जीवन

रुचि वर्मा/संजय जोशी ▶▶| रायपुर

हरिभूमि विशेष

लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नृत्य गुरु एवं चक्रधर सम्मान से सम्मानित स्व.डॉ.पीडी आशीर्वादम के शिष्य उनकी ख्याति और नृत्य कला को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने जुटे हुए हैं। उनके शिष्यों में डॉ.राजश्री नामदेव, डॉ.मांडवी सिंह, स्वप्निल करमहे, डॉ. अनुराधा दुबे, डॉ.ज्योति दाबके, दीप्ति दाबके, वंदिता सिंह जैसे कई प्रसिद्ध कथक नृत्य विभूतियां हैं, जो अपने गुरु के घराने नृत्य कला को देश के अलग-अलग कला शिक्षण संस्थानों से जुड़कर वहां शिष्य-गुरु परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं। अब इन सभी विभूतियों द्वारा नृत्य कला में पारंगत हो कर निकल रहीं शिष्याएं ▶▶|शेष पेज 6 पर

दो पीढ़ियों के गुरु रहे बेडेकर दंपत्ति दांपत्य जीवन शिष्यों को समर्पित

किसी भी कार्य में यदि जीवन साथी का सहयोग मिल जाए तो कार्य अधिक सुंदर रूप में सिद्ध हो पाता है। गुरु-शिष्य परंपरा के अतंर्गत शहर में एक दंपत्ति ऐसा भी है, जिसमें पति-पत्नी दोनों ने ही दो पीढ़ी को संगीत की विद्या सिखाई है। कमलादेवी संगीत महाविद्यालय में कार्यरत दीपक बेडेकर और उनकी पत्नी मंजूषा बेडेकर दोनों ही संगीत शिक्षक हैं। कई परिवार की दो पीढ़ियों को संगीत की शिक्षा दे चुके हैं। वे कहते हैं कि यह देखकर सुकून महसूस होता है जब माता-पिता के साथ उनके बच्चे भी गुरु पूर्णिमा पर आशीर्वाद ▶▶|शेष पेज 6 पर

नामी डाक्टरों को शिक्षा देने वाले गुरुओं का कहना है- उनका सम्मान ही हमारे लिए बड़ा उपहार

इधर, गुरु दक्षिणा में शिष्य ने दिया नया जीवन, सम्मान जीवनभर

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

माता-पिता के बाद गुरु ही ऐसा शख्स होता है जो चाहता कि शिष्य उससे ज्यादा विद्वान हो। शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर में चिकित्सा की पढ़ाई कर कई नामी डाक्टर देश-विदेश में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। उन्हें इस काबिल बनाने वाले गुरुओं का कहना है, खुशी तब होती है जब शिष्यों के काम की प्रशंसा राज्य से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होती है। ऐसे शिष्यों का सम्मान ही हमारी सबसे बड़ी गुरु दक्षिणा है।

कहते हैं कि किसी भी व्यक्ति की सफलता के पीछे उसके गुरु का हाथ होता है। छात्र जीवन में मिलने वाली शिक्षा उसके भविष्य का निर्माण करती है और उसे सफल बनाती है। चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े-बड़े झंडे गाड़ने वाले डाक्टरों ने प्रदेश के सबसे पुराने पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय मेडिकल कालेज से अपनी शिक्षा पूरी की है। इन डाक्टरों को इस काबिल बनाने में कई चिकित्सा ▶▶|शेष पेज 6 पर

डॉ. सीके शुक्ला

डॉ. पीके पात्रा

डॉ. एके चंद्राकर

डॉ. मानिक चटर्जी

हुआ कैंसर तो शिष्य ने सर्जरी कर दिया नया जीवन

जेएन मेडिकल कालेज के एनाटॉमी के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सीके शुक्ला ने बताया कि उन्होंने जिन डाक्टरों को पढ़ाया है, वे ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पुल ढहा, नदी में गिरे कई वाहन, 13 की मौत

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार सुबह चार दशक पुराने एक पुल का हिस्सा ढह जाने से कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए, जिससे भाई-बहन समेत 13 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य को बचा लिया गया। बचाए गए लोगों में से कुछ को चोटें आई हैं। पुलिस अधीक्षक रोहन आनंद ने बताया कि गंभीरा पुल का एक 'स्लैब' ढह जाने से 13लोगों की मौत हो गई।

रिश्वत मांगने के आरोप में एएसआई गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के एएसआई को द्वारका इलाके में सब्जी विक्रेता से रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। एएसआई ने सब्जी विक्रेता को उसकी दुकान खोलने की कथित रूप से अनुमति देने के लिए ये रिश्वत ली थी। द्वारका उत्तर में तैनात एएसआई सुभाष चंद्र और हेड कांस्टेबल ओमवीर लांबा ने दुकानदार से उसे तथा उसके दोस्त को बाजार में व्यवसाय करने की अनुमति दिए जाने के लिए कथित रूप से 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

मिलावटी ताड़ी पीने से 19 अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के कुकटपल्ली इलाके में कथित तौर पर मिलावटी ताड़ी पीने के बाद 19 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रभावित लोगों ने छह और आठ जुलाई को शहर के कुकटपल्ली, बालानगर और अन्य इलाकों की ताड़ी बेचने वाले विभिन्न दुकानों में ताड़ी पी थी। इसके बाद उन 19 लोगों को तबीयत खराब होने की शिकायत के बाद अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें यहां सरकारी निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में स्थानांतरित कर दिया गया।

नई श्रम संहिताओं के विरोध में 25 करोड़ श्रमिकों का प्रदर्शन

देशव्यापी हड़ताल, तीन राज्यों में रोकी ट्रेनें, कई सेवाएं रहीं प्रभावित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में 10 केंद्रीय श्रम संगठनों की ओर से बुधवार को देशभर में आहूत एक दिन की हड़ताल से आवश्यक सेवाएं प्रभावित रहीं। तीन राज्यों में ट्रेनें रोकी गईं। ऐसी खबरें हैं कि हड़ताल से केरल, झारखंड और पुडुचेरी में कुछ चुनिंदा सेवाएं प्रभावित हुईं। श्रम संगठनों ने दावा किया है कि अन्य मुद्दों के साथ-साथ नई श्रम संहिताओं के विरोध में 25 करोड़ श्रमिकों को 'आम हड़ताल' के लिए लामबंद किया गया।

देशभर में बुधवार सुबह देशभर में आम हड़ताल शुरू हुई। पश्चिम बंगाल, केरल, झारखंड, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों से हड़ताल की खबर है। अखिल भारतीय मजदूर संघ कांग्रेस की महासचिव अमरजीत कौर ने दावा किया है कि हड़ताल से बैंकिंग, डाक और बिजली सेवाएं प्रभावित हुईं। इससे तांबा और कोयला खनन प्रभावित होगा, जबकि कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन पर भी इसका असर पड़ा। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसान संगठन भी अपने क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया।

- बैंक और डाकघर में काम पर दिखा कुछ असर

श्रम संगठनों की मांगों में चार श्रम संहिताओं को खत्म करना, ठेका प्रणाली समाप्त करना, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण बंद करना तथा न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 26,000 रुपए प्रति माह करना शामिल है। इसके अलावा किसान संगठन स्वामीनाथन आयोग के सी2 प्लस 50 प्रतिशत के सूत्र के आधार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों के लिए ऋण माफी की मांग भी कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की है कि हड़ताल के दौरान सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो।

- कोलकाता-भुवनेश्वर और प.बंगाल में रेलवे ट्रैक जाम किया
- कोलकाता में प्रदर्शनकारियों ने जलाया पुतला
- केरल के कोट्टायम में दुकानें और शॉपिंग मॉल 'भारत बंद' के समर्थन में बंद रहीं

श्रम संगठनों की मांग

- चार श्रम संहिताओं को खत्म करना
- ठेका प्रणाली समाप्त करना
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण बंद करना
- न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 26,000 रुपए प्रति माह

बंगाल में रोकी गई ट्रेन

पश्चिम बंगाल के नदिया के शांतिपुर रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रेलवे ट्रैक से हटाया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान एक ट्रेन रोक दी थी।

एलआई कर्मचारी भी हड़ताल में हुए शामिल

भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कर्मचारियों ने केंद्र सरकार की कथित श्रम विरोधी नीतियों के विरोध में आम हड़ताल के दौरान प्रदर्शन किया।

मप्र और कर्नाटक में रैली

मध्य प्रदेश के भोपाल में बैंक कर्मचारियों और अलग-अलग ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने केंद्र सरकार की मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाए गए 24 घंटे के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान विरोध रैली निकाली। कर्नाटक के हुबली में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने विरोध रैली निकाली। इस रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

कई राज्यों की बैंक शाखाओं में काम-काज ठप

हड़ताल के चलते महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में बैंक शाखाओं में काम-काज ठप है। मुंबई में हड़ताल के दौरान बैंक कर्मचारियों ने बैंक के बाहर नारेबाजी भी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने छह देशों पर फोड़ा 'टैरिफ बम'

इराक पर 30, फिलीपींस पर लगाया 25 फीसदी टैरिफ

किन देशों पर कितना टैरिफ

- फिलीपींस: 25%
- इराक: 30%
- ब्रुनेई: 25%
- अल्जीरिया: 30%
- मोल्दोवा: 25%
- लीबिया: 30%

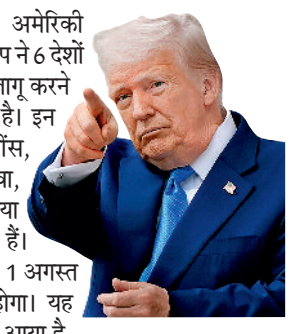

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 6 देशों पर नई टैरिफ दरें लागू करने का ऐलान किया है। इन देशों में फिलीपींस, इराक, मोल्दोवा, अल्जीरिया, लीबिया और ब्रुनेई शामिल हैं। नया टैरिफ आदेश 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। यह फैसला उस समय आया है, जब ट्रंप ने साउथ कोरिया और जापान सहित 14 अन्य देशों पर पहले ही टैरिफ लगाने की घोषणा की है। अब इन 6 नए देशों को भी टैरिफ की लिस्ट में जोड़ा गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इन देशों के नेताओं को आधिकारिक पत्र भेजकर टैरिफ की पूरी जानकारी दी है। इस फैसले के तहत सबसे ज्यादा टैरिफ 30% तय की गई है, जो इराक, अल्जीरिया और लीबिया पर लागू होगी। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि यह कदम अमेरिकी व्यापार हितों की रक्षा के लिए जरूरी है।

तांबे और दवाओं पर भी बड़ी दरें

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिका में तांबे (कॉपर) पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि फार्मा प्रोडक्ट्स (दवाओं) पर टैरिफ एक साल के भीतर 200% तक बढ़ सकता है। यह सब मिलाकर वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता और चिंता का माहौल पैदा हो गया है, क्योंकि व्यापारिक नीतियों में ये बदलाव अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर बड़ा असर डाल सकते हैं।

मराठी को भाषिक अल्पसंख्यक दर्जा देने की मांग सरकार को 3 महीने में फैसला लेने का आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में मराठी भाषा को 'भाषिक अल्पसंख्यक' का दर्जा देने की मांग को लेकर दाखिल एक जनहित याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में तीन महीने के भीतर निर्णय ले। यह आदेश बिलासपुर निवासी डॉ. सचिन अशोक काले की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया है। डॉ. काले ने अपनी याचिका में मांग की थी कि अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी मराठी भाषा को भाषिक अल्पसंख्यक का दर्जा मिलना चाहिए। कोर्ट ने

हाईकोर्ट में जनहित याचिका

यह भी स्पष्ट किया कि नीतिगत मामलों में वह सीधे हस्तक्षेप नहीं करता, लेकिन यदि कोई नागरिक संविधान के तहत अधिकार मांगता है, तो उस पर सरकार को प्रतिक्रिया देनी होगी। याचिका के मुताबिक डा काले ने 22 अप्रैल 2023 और 27 नवंबर 2024 को राज्य सरकार के संबंधित विभागों को आवेदन देकर इस विषय में मांग रखी थी।

संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को आदेश की प्रमाणित प्रति दो सप्ताह के भीतर संबंधित अधिकारी को सौंपनी होगी, और सरकारी वकील को आदेश की जानकारी तुरंत संबंधित विभाग को देना होगा। राज्य सरकार के अधिवक्ता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि यह जनहित याचिका नहीं बल्कि निजी स्वार्थ से प्रेरित है।

प्रधानमंत्री को विदेश में मिले अब तक 27 अवॉर्ड

पीएम मोदी को नामीबिया का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी ▶▶| विंडहोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया है। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने बुधवार को पीएम मोदी के साथ वार्ता के बाद उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह प्रधानमंत्री मोदी को विदेश में दिया गया 27वां और इस दौरे का चौथा पुरस्कार है।

'ऑर्डर ऑफ़ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस' नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। डॉ. नेटुम्बो ने अवॉर्ड प्रदान करने से पहले कहा, नामीबियाई संविधान द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति द्वारा मुझे भारत के प्रधानमंत्री मोदी को ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शियेंट वेल्विट्चिया मिराबिलिस प्रदान करने का सम्मान प्राप्त हुआ है।

रेगिस्तानी पौधे के नाम पर सम्मान

इस पुरस्कार का नाम नामीबिया में पाए जाने वाले एक अनोखे और प्राचीन रेगिस्तानी पौधे वेल्विट्शिया मिराबिलिस के नाम पर रखा गया है। यह पुरस्कार नामीबियाई लोगों के लचीलेपन, दीर्घायु और स्थायी भावना का प्रतीक है।

पीएम बोले- गौरव और सम्मान की बात

पीएम मोदी ने सम्मानित किए जाने के बाद कहा, वेल्विट्स्चिया मिराबिलिस से सम्मानित होना मेरे लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। मैं राष्ट्रपति, नामीबिया सरकार और नामीबिया की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। इस पुरस्कार की स्थापना 1990 में नामीबिया की स्वतंत्रता के तुरंत बाद 1995 में की गई थी।

भारत- नामीबिया के बीच चार समझौते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नेंडी-नदैतवा के साथ वार्ता की और डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, सुरक्षा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग, नामीबिया में उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना, सीडीआरआई फ्रेमवर्क आदि प्रमुख हैं।

चिंतन

बार-बार क्रैश क्यों हो रहे हैं वायुसेना के लड़ाकू जगुआर

सैनिक की देश की सुरक्षा में सबसे अहम कड़ी है। एक सैनिक को खोना महज किसी एक व्यक्ति की जान जाना नहीं, बल्कि सुरक्षा रूपी चैन की एक कड़ी टूटने जैसा होता है। इससे एक- एक परिवार, एक समाज और एक देश को नुकसान होता है। अगर सैनिक की जान दुश्मन से युद्ध करते हुए जाए जो शहादत कहलाती है। जिस पर पूरे देश को गर्व होता है, लेकिन अगर देश में ही किसी हादसे में सैनिक को खो दिया जाए तो आघात से कम नहीं होता। आजकल देश को ऐसे ही आघात भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दे रहा है। मंगलवार को एक और जगुआर राजस्थान के चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस साल जगुआर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की यह तीसरी घटना है। इससे जगुआर विमानों के बेड़े की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। पहले मार्च में हरियाणा के पंचकुला में और अप्रैल में गुजरात के जामनगर के पास ऐसे हादसे हुए थे। जगुआर विमान पिछले 40 सालों से भारतीय वायुसेना का हिस्सा हैं। विमानों के पुराने होने और बार-बार दुर्घटनाओं के कारण इनकी उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं। असल में, जगुआर विमानों के बार-बार दुर्घटनाग्रस्त होने से इनकी सुरक्षा और इस्तेमाल पर चिंता बढ़ गई है। ये विमान 40 साल से भी ज़्यादा समय से इंडियन एयरफोर्स में हैं। जगुआर को 1960 के दशक में बनाया गया था। यह दो इंजन वाला, सुपरसोनिक हमला करने वाला विमान है। एक समय में यह एयरफोर्स का मुख्य विमान था। भारतीय वायुसेना में कुल 145 जगुआर विमान शामिल किए गए थे। पहले 40 विमान 1979 में ब्रिटेन से लाए गए थे। इन विमानों को शमशेर नाम दिया गया था, जिसका मतलब है न्याय की तलवार। बाकी विमानों को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने यह काम ब्रिटेन से तकनीक लेकर किया था। 2008 तक भारत में जगुआर विमान बनते रहे, लेकिन वो चल अब तक रहे हैं। माना जा रहा है कि तकनीक पुरानी होने के कारण जगुआर अब मिग-21 जैसा हो गया है और वायुसेना के पायलटों के लिए काल बनता जा रहा है। जगुआर विमानों के इंजन ठीक से काम नहीं करते हैं और इस वजह से कई दुर्घटनाएं हुई हैं। कई पायलटों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जगुआर विमानों में लगे रोल्स-रॉयस-टर्बोमेका अदौर एमके 811 इंजन की वजह से ऐसा होता है। इन इंजनों में पर्याप्त शक्ति नहीं है, जिससे विमान की गति, मुड़ने की क्षमता और हथियार ले जाने की क्षमता प्रभावित होती है। यही कारण है कि बीते महज पांच माह में ही 3 जगुआर क्रैश हो चुके हैं। जो विमान दुश्मनों को लोहे के चने चबवाने के लिए लिया गया हो और वो अपने ही सैनिक की सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए तो विषय और भी गंभीर हो जाता है। लगातार सवाल उठ रहा है कि क्या यह विमान समय के साथ अपनी उपयोगिता खो चुका है? लगातार हो रही तकनीकी दिक्कतें और दुर्घटनाएं इस ओर इशारा कर रही हैं कि जगुआर जैसे पुराने विमानों को सेवा से हटाने का समय आ गया है। हर हादसे के बाद वायुसेना तकनीकी जांच कराती है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाती है। इस हादसे की जांच रिपोर्ट के बाद ही साफ हो पाएगा कि हादसे की वजह पायलट की त्रुटि थी, तकनीकी खामी या कोई और कारण। लेकिन यह तय है कि एक ही साल में तीन बार एक ही श्रेणी का विमान दुर्घटनाग्रस्त होना सामान्य बात नहीं है। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, क्योंकि देश अपने सैनिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकता।

रिश्वत के बदले मान्यता बेहद गंभीर मामला

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

चिकित्सा क्षेत्र को एक बेहद संवेदनशील और गंभीर क्षेत्र माना जाता है जहां गुणवत्ता से कतई समझौता नहीं किया जा सकता लेकिन भारत में यह क्षेत्र लगातार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। हाल ही में सीबीआई ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक निजी मेडिकल कॉलेज सहित मध्यप्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और दिल्ली के 40 मेडिकल कॉलेजों में छापेमारी कर मान्यता के बदले नेशनल मेडिकल कमीशन यानि 'एनएमसी' के निरीक्षण टीम को रिश्वत लेने और देने के आरोप में 3 एसेसर्स सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। एनएमसी ने रिश्वत लेने वाले तीनों मूल्यांकनकर्ता डॉक्टरों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया है। सीबीआई छापे के मद्देनजर संबंधित मेडिकल कॉलेजों में इस वर्ष जीरो ईयर घोषित होने की संभावना है। मतलब इस सत्र में इन कॉलेजों को एमबीबीएस के प्रथम वर्ष में दाखिले की अनुमति नहीं मिलेगी जो सीधे तौर पर नीट चयनित छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए निराशाजनक है।

घूस के बदले मान्यता से जुड़े इस मामले में सीबीआई ने जिन लोगों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है उसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के 11 अधिकारी सहित तीन धर्मगुरू भी शामिल हैं। भविष्य में इस मामले में अनेक रसूखदारों के गिरफ्तारी की संभावना है। खबरों के मुताबिक यह घोटाला लगभग 1300 करोड़ रुपए से अधिक का हो सकता है। दूसरी और सीबीआई ने मान्यता के लिए रिश्वत के मामले में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. मोंटू पटेल के ठिकानों पर भी छापेमारी की है।चेयरमैन डॉ. पटेल पर आरोप है कि उन्होंने देश के 12 हजार से ज्यादा फार्मेसी कॉलेजों को अनुमति देने के लिए 54 सौ करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला किया है। सीबीआई ने इन छापों के बाद खुलासा किया है कि मेडिकल शिक्षा से जुड़े भ्रष्टाचार में स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग 'एनएमसी', निजी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 'यूजीसी' के पूर्व अध्यक्ष की संलिप्तता है।

अलबत्ता यह पहला मामला नहीं है जब देश में किसी कॉलेज को दाखिले के लिए मान्यता अथवा रैंकिंग देने के लिए रिश्वत लेने का मामला सामने आया हो बल्कि पहले भी मेडिकल, नर्सिंग, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, डेंटल सहित इंजीनियरिंग और यूनिवर्सिटी तथा कॉलेजों की मान्यता या अच्छा रेटिंग देने के लिए रिश्वत का मामला उजागर हुआ था। बीते फरवरी में सीबीआई ने राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद 'नैक' के निरीक्षण टीम के अध्यक्ष और सदस्यों को एक विश्वविद्यालय को रिश्वत के बदले अच्छी रेटिंग देने के मामले में गिरफ्तार किया था। इस मामले में सीबीआई ने 20 स्थानों पर छापेमारी की थी तथा 37 लाख नगद और सोना बरामद किया था। बेहतर रेटिंग के लिए रिश्वत के मामले पर उठे विवाद के बाद नैक ने इस निरीक्षण समिति के सभी सदस्यों पर जहां आजीवन प्रतिबंध लगा दिया वहीं आरोपी विश्वविद्यालय को मान्यता के लिए आवेदन करने से पांच साल तक रोक लगा दिया है। कालांतर में छत्तीसगढ़ सहित अनेक राज्यों में सीबीआई ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए निरीक्षण टीम को रिश्वत देने के मामले में गिरफ्तारियां की थी।अलबत्ता ऐसी घटनाएं उच्च शिक्षा संस्थानों में जारी भ्रष्टाचार के साथ ही नैक जैसी स्वायत्तशासी संस्था की विश्वसनीयता की भी पोल खोलता है।

बहरहाल मेडिकल कॉलेजों के स्थापना, दाखिले के लिए अनुमति और सीटों में बढ़ोतरी के लिए रिश्वत और फर्जीवाड़े के मामले पहले भी उजागर हुए हैं जिसके चलते चिकित्सा जैसा मुकद्दस पेशा बदनाम हुआ है। मान्यता के लिए निरीक्षण के दौरान कॉलेज प्रबंधन द्वारा टीचिंग के लिए घोस्ट फैकल्टी यानि कागज पर शिक्षक तथा अस्पतालों में नकली मरीज भर्ती करने का सिलसिला काफी दिनों से जारी है। साल 2010 में मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया 'एमसीआई' के अध्यक्ष डॉ केतन देसाई पर एक मेडिकल कॉलेज को मान्यता देने के ऐवज में 20 लाख रुपए रिश्वत लेने का आरोप लगा था। सीबीआई को जांच के दौरान डॉ. देसाई से डेढ़ किलो सोना और अस्सी किलो चांदी तथा कई आलिशान घर मिला जो घोटाले से हासिल किया गया था। जांच में आगे यह भी पता चला कि डॉ. केतन ने अन्य डॉक्टरों के साथ मिलकर एक कॉलेज को अनुमति देने के ऐवज में 2 करोड़ की रिश्वत मांगी थी। डॉ. देसाई सहित अन्य डॉक्टरों को सीबीआई ने इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए रिश्वत के मामले में कौंसिल के अध्यक्ष सहित उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी हुई लेकिन तकनीकी वजहों से वे बाद में बरी हो गए।

मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. केतन देसाई सहित अन्य सदस्यों के काले कारनामों से मचे बवाल के बाद भारत सरकार ने 25 सितंबर 2020 में 'एमसीआई' को भंग कर दिया और इसकी जगह राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग 'एनएमसी' की स्थापना किया। केंद्र सरकार ने साल 2020 से 2023 के बीच संसद के जरिए अधिनियम पारित कर एलोपैथी, डेंटल और आयुष शिक्षा से जुड़े कॉलेजों को मान्यता देने और चिकित्सा व्यवसाय को अधिनियमित करने के लिए आयोगों का गठन किया है। वर्तमान में एलोपैथी के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग 'एनएमसी', आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा- रिग्पा के लिए केंद्रीय राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति आयोग 'एनसीआईएसएम', दंत चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग 'एनडीसी' तथा होम्योपैथी के लिए राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ' एनसीएच' जैसे आयोग स्थापित हैं।

विचारणीय है कि भारत सरकार ने मेडिकल सहित सभी प्रोफेशनल कोर्सेज के शिक्षण संस्थानों में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो इस लिहाज से कॉलेजों को मान्यता देने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और शुचिता कायम करने के लिए उपरोक्त आयोगों का गठन किया है। विडंबना है कि सरकार और समाज के उद्देश्यों को आयोग से जुड़े पदाधिकारी और मूल्यांकन कर्ता ही पलीता लगा रहे हैं जो निश्चित ही चिंतनीय है। मेडिकल शिक्षा से लेकर तमाम संस्थाओं में मानक के अनुरूप मानव संसाधन, अधोभूत संरचना, सुविधाएं , मशीन - उपकरण, लाइब्रेरी में पुस्तकों की समुचित उपलब्धता के निरीक्षण के लिए इन नियामक संस्थाओं द्वारा संबंधित संस्थानों में निरीक्षण टीम भेजी जाती है। निरीक्षण टीम के रिपोर्ट के आधार पर ही संबंधित संस्थानों में छात्रों के दाखिले के लिए जहां मान्यता मिलती है वहीं सीटों में बढ़ोतरी की जाती है।

हालिया मामले पर गौर करें तो जिन मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों में सीबीआई ने छापेमारी की है वहां मापदंडों के अनुसार शिक्षक एवं अन्य मानव संसाधन तथा सुविधाएं नहीं थी। आलम यह की शिक्षक जहां केवल कागज पर काम कर रहे हैं वहीं अस्पतालों में किराए के मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। तमाम कमियों के बावजूद आयोग और परिषद के अधिकारियों, निरीक्षण टीम के सदस्यों और कॉलेज प्रबंधन के बीच करोड़ों रुपए के रिश्वत के बदले अनुकूल रिपोर्ट देने के प्रयास किया गया जो चिकित्सा जैसे क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता और भ्रष्टाचार की पोल खोलता है। बिलाशक आज भी मेडिकल एक ऐसा क्षेत्र है जिसके प्रति अभिभावकों और छात्रों का काफी रूझान है फलस्वरूप देश में निजी मेडिकल कॉलेजों का बाजार लगातार बढ़ रहा है। निजी मेडिकल कॉलेजों में सीधे तौर पर राजनीतिक रसूखदारों और कार्पोरेट घरानों ने भारी निवेश किया है फलस्वरूप उन्हें आसानी से राजनीतिक और आर्थिक संरक्षण प्राप्त हो रहा है।दरअसल राजनीतिक और आर्थिक संरक्षण का खामियाजा उन छात्रों को होता है जो मोटी फीस देकर उन कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं जहां न तो शिक्षण के लिए हायर फैकल्टी यानि प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर होते हैं और न ही प्रशिक्षण के लिए अस्पतालों में मरीज होते हैं। अलबत्ता ऊंची फीस देकर पढ़ाई करने वाले छात्र बतौर चिकित्सक अपने पेशे में मरीजों के जेब के प्रति कितना संवेदनशील होंगे? बिना संसाधन के काबिल होंगे? यह सोचनीय प्रश्न है। विचारणीय यह भी कि देश में जिस तरह से धड़ल्ले से मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं उस लिहाज से मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है। इसकी मुख्य वजह मेडिकल शिक्षा के लिए जरूरी मानव संसाधन और अधोसंरचना की अनुपलब्धता है बावजूद ऐसे कॉलेजों को मान्यता मिलना जनस्वास्थ्य के लिहाज से चिंताजनक है। बहरहाल सरकार से यह अपेक्षा है कि वह चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे में जारी भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति प्रदर्शित करे ताकि देश और समाज को काबिल और संवेदनशील डॉक्टर मिल सके।

गुरु पूर्णिमा
अखिलेश आर्येन्दु

वैदिक ऋषियों, गुरुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व

कहा जाता है भारत पर्वों, त्योहारों और उत्सवों का देश है। वर्ष के बारह महीने हर दिन कोई न कोई पर्व, त्योहार या उत्सव होता ही है। इसी में गुरु पूर्णिमा भी एक है। गुरु पूर्णिमा आध्यात्मिक गुरु के साथ-साथ अकादमिक गुरुओं के सम्मान में मनाया जाने वाला पर्व या उत्सव है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने वाले इस पवित्र उत्सव में विद्या और ज्ञान के महत्व को प्रकट किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार महर्षि वेद व्यास को विष्णु ने चारों वेदों का ज्ञान दिया था। इसलिए संसार का प्रथम गुरु वेद व्यास को माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि पूर्णिमा के दिन गुरु की पूजा, सेवा और आशीर्वाद से व्यक्ति का जीवन सफल हो जाता है। लोक मान्यताओं के अनुसार इस दिन महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था, इसलिए इसे वेद व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। बौद्ध मतानुयायी भगवान बुद्ध की याद में गुरु पूर्णिमा को मनाते हैं। इस दिन बुद्ध ने पहली बार सार नाथ वाराणसी में उपदेश दिया था। पौराणिक कथा है कि भगवान शिव ने शप्तऋषिओं को इसी दिन उपदेश दिया था। इस तरह तमाम पौराणिक और ऐतिहासिक संदर्भ गुरुपूर्णिमा से ताल्लुक रखते हैं। ज्ञान, विद्या, धर्म और सांस्कृतिक सम्बन्धों में ये पर्व और उत्सव अपनी खास अहमियत रखते हैं। सबसे अहम बात यह है कि ये पर्व व उत्सव किसी न किसी खास विषय से जुड़े हुए हैं। गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा भी एक ऐसा ही पर्व और उत्सव है जो विद्या देने वाले गुरु और विद्या ग्रहण करने वाले शिष्य के पावन सम्बन्धों की पावन अभिव्यक्ति है। मनुस्मृति में इस दिन को उपाकर्म का दिन कहा गया है। यह श्रावणी का प्रारम्भ भी माना जाता है। इसे वेद रक्षक ऋषियों को समर्पित शुभ दिन के रूप में माना जाता है। चातुर्मास की परम्परा में चार महीने वैदिक ग्रंथों के स्वाध्याय के लिए बनाए गये। इसलिए चातुर्मास का प्रारम्भ भी इसी के दौरान हुआ करता था। संस्कृत व्याकरण व भाषा के मुताबिक गुरु वह शब्द है जो ज्ञान, प्रेरणा और मार्गदर्शन का प्रतिबिम्ब है। वेद में ईश्वर को सबसे बड़ा और महतोमहान गुरु कहा गया है। जो मानव की अज्ञानता, दरिद्रता और दुख दूर करने वाला है। संसार में चारों तरफ अंधियारा, अज्ञानता और दुख छाया हुआ है। इन्हें दूर करने के लिए गुरु या मार्गदर्शक की जरूरत पड़ती है। सभी तरह के गुरुजनों को सम्मान देना और उनके प्रति हमेशा कृतज्ञता का भाव बनाए रखना शारीरिक तप कहा जाता है। इसलिए गुरु पूर्णिमा तप करने का पर्व भी है। हमारी संस्कृति में अनेक प्रतीकों और चिंहों का खास महत्व है। इन्हीं प्रतीकों में जनेऊ या यज्ञोपवीत भी एक है। यज्ञोपवीत तीन धागों से बनता है। इन तीन धागों में जन्म से लेकर मृत्यु तक जिन तीन गुरुओं का ऋण सबसे ज्यादा होता है वे हैं-माता-पिता, विद्या या शिक्षा देने वाले गुरु और परम्परा से ज्ञान दे रहे हमारे ऋषि-मुनि। जनेऊ के इन तीन धागों में इन तीन गुरुओं के प्रति कृतज्ञता का बोध होता है। गुरु पूर्णिमा के दिन इन तीनों के प्रति कृतज्ञता जताने की परम्परा रही है। आधुनिक समय में गुरु-शिष्य की वैदिक परंपरा भले ही न दिखाई देती हो लेकिन अध्यापक और छात्र का रिश्ता तो है ही। इस रिश्ते की अपनी खास अहमियत है। दोनों के जो कर्तव्य हैं, उन कर्तव्यों का पालन दोनों को करना चाहिए। समाज में आदर्श, शांति, प्रेम, सहिष्णुता और शुभत्व को बढ़ाने के लिए जरूरी है कि दोनों अपने धर्म का ईमानदारी से पालन करें। समाज में विश्वास, परोपकार और सुचिता का माहौल कायम करने के लिए भी जरूरी है गुरु-शिष्य के रिश्ते को पवित्र भाव से निभाया जाए। संत कबीर कहते हैं- गुरु बिन ज्ञान न उपजै, गुरु बिन मिले न मोष। गुरु बिन लखै न सत्य को, गुरु बिन मिटै न दोष। कहने का भाव यह है कि जिसमें हर तरह की गुरुता यानी बड़प्पन और धैर्य धारण करने वाला हो और शिष्य के कल्याण को हो अपने जीवन का मकसद समझता हो, वह ही सच्चा गुरु हो सकता है। इसी तरह शिष्य को भी चाहिए कि वह सीखने, ग्रहण करने और हर अच्छी बात व ज्ञान को ग्रहण करने के लिए हमेशा तैयार रहे। दोनों में, दूसरे के प्रति सज्जनता का भाव हो।वैदिक परम्परा में गुरु की अहमियत सर्वोपरि है, लेकिन यह तभी असरदायक होगा, जब गुरु के सच्चे ज्ञान को हर व्यक्ति अमल में लाए। इससे समाज, संस्कृति, साहित्य और विज्ञान का तो भला होगा ही, मानवता की कमजोर होती धारा को फिर से ताकत मिल सकेगी। गुरु पूर्णिमा पर खास आयोजन वैदिक गुरु-शिष्य परंपरा के अनुसार होना चाहिए। इससे ज्ञान, विज्ञान, भाषा, संस्कार, साहित्य और मूल्यों को फिर से समाज में स्थापना और अपरा विद्या को सबको सुखी बनाने के लिए जीवित करना जाहिए। इससे मानवता का भला होगा ही और एक आदर्श समाज बनाने में मददगार हो सकती है।

(लेखक साहित्यकार, संस्कृतिवेत्ता व चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भक्ति करने से हमें लड़ने की मिलती है शक्ति

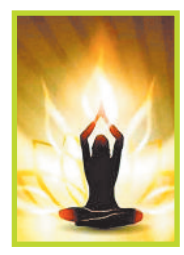

संकलित
दर्शन

इस विशाल ब्रह्मांड में, एक कालनिरपेक्ष और असीमित ऊर्जा सृष्टि के प्रत्येक पक्ष में प्रकट होती है। ये समय, स्थान, आरंभ-अंत से परे है। अक्सर हम उन लोगों पर दया भाव रखते हैं, जो हमसे अधिक युवा हैं या हम उन्हें कम ज्ञान वाला समझते हैं। इसी प्रकार हम बुजुर्गों द्वारा दिए गए ज्ञान को पुराना और अज्ञान से भरा हुआ मान लेते हैं। लेकिन, हमें ये बात समझने की आवश्यकता है कि दिव्यता बुद्धिमत्ता, आयु या स्वभाव पर ध्यान दिए बिना, सबके हृदय में वास करती है। प्रत्येक व्यक्ति में शिव तत्व का संज्ञान लेने से हमारे भीतर एक समरसता उत्पन्न हो जाती है, जो हमें शिव से एकाकार करती है। पुराने समय के ऋषियों और ज्ञानियों ने हर एक चीज को शिव का ही अंश माना। शिव सर्वव्याप्त हैं। यही वेदों का सार है। वेदांत दूसरी ओर भूला देने और ज्ञान की सीमाओं के परे जाने को भी दर्शाते हैं। वह उसके बारे में भी बताते हैं, जो द्वैत से परे है, अच्छे और बुरे से परे है। वेदांत अद्वैत की वास्तविकता का भी उद्घाटन करते हैं, जो अस्तित्व के मूल में छिपा हुआ है। ईश्वर के सर्वव्याप्त होने की धारणा पर बहुत पुराने समय से प्रश्न उठते आए हैं। यदि ईश्वर सचमुच में सर्वव्याप्त हैं, तो शैतान कहां रहता है। शताब्दियों से धर्मशास्त्रियों ने इस असमंजस पर गुत्थम-गुत्था की है। यदि ईश्वर सर्वव्याप्त हैं, तो कोई शक्ति उन्हें चुनौती कैसे दे सकती है? उत्तर इस समझ में है कि हर एक चीज में ईश्वर है, शैतान में भी। वेदांत दर्शन ने द्वैत की सीमाओं को पार किया और अद्वैत के सत्य को बताया, जो अच्छे और बुरे से परे है।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

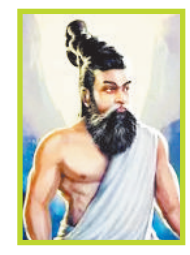

संकलित
प्रेरणा

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

विमानन क्षेत्र में सुधार-समीक्षा की दरकार

हाल ही में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बोइंग विमान से जुड़ी एक घटना ने वैश्विक विमानन उद्योग, विशेषकर बोइंग की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि तकनीकी दिग्गज बोइंग के विमान लगातार दुर्घटनाओं के घेरे में क्यों आते जा रहे हैं। बोइंग विमान को लेकर उठ रहे प्रश्न केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण विमानन प्रणाली, उसकी निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। नागरिक विमानन महानिदेशालय को चाहिए कि वह बोइंग विमानों की संपूर्ण सुरक्षा समीक्षा करवाए, पुराने मॉडलों की जांच कराए और तय करे कि तकनीकी संदिग्ध विमान को उड़ान से पहले दोबारा जांचा जाए।

– विकास शर्मा, दुर्ग

ट्रेंड

ब्राजील का आभार

मुझे 'द ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किए जाने पर गर्व है। राष्ट्रपति लूला, सरकार और ब्राजील के लोगों के प्रति आभार। यह दिखाता है कि ब्राजील के लोगों का भारत के लोगों के प्रति कितना गहरा लगाव है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

ज्ञान, शील, एकता के मंत्र के साथ राष्ट्रीयता के विचारों को लेकर आगे बढ़ते रहने वाले, विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अभाविप के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। अनेक ख्याति प्राप्त लोगों के व्यक्तित्व का निर्माण इस संगठन से हुआ है।

-भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

संविधान-विरोधी ताक़तें

महाराष्ट्र में जनादेश छीना, अब बिहार में मताधिकार - तरीका नया, साजिश पुरानी। हम इन संविधान-विरोधी ताक़तों को बेनक़ाब करते रहेंगे - जनता और युवाओं के साथ मिलकर मुंहतोड़ जवाब देंगे।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

कंटेंट व्यवसाय में एआई

कंटेंट व्यवसाय के लोग एआई द्वारा लाए जा रहे बड़े बदलावों से बहुत अनजान हैं। या तो हम बदलाव से डरते हैं, या रेत में सिर छिपाए बैठे हैं। एआई सबसे लोकतांत्रिक तकनीक है। अगर आप कंटेंट व्यवसाय में गेटकीपर हैं, तो आप टिक नहीं पाएँगे।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

ब्रिटेन के पूर्व पीएम सुनक बैंकिंग जगत में वापस लौटे

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बैंकिंग जगत में वापस आ गए हैं और उन्होंने गोल्डमैन सैक्स समूह में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में नयी भूमिका संभाली है। सुनक अपनी आय को उस शिक्षा चैरिटी को दान करने की योजना बना रहे हैं जिसे उन्होंने हाल ही में अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ मिलकर स्थापित किया है। राजनीति में प्रवेश करने से पहले सुनक ने अमेरिका स्थित बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक में काम किया था। यह घोषणा पिछले वर्ष चार जुलाई को आम चुनाव में हार के बाद ब्रिटिश भारतीय नेता के मंत्री पद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आवश्यक 12 महीने की अवधि बीत जाने के बाद की गयी। ब्रिटेन की व्यावसायिक नियुक्तियों पर सलाहकार समिति, जिसे पूर्व मंत्रियों द्वारा पद छोड़ने के बाद कम से कम दो वर्षों तक लिए जाने वाले किसी भी पद को मंजूरी देना आवश्यक होता है, ने कुछ शर्तों के साथ अपनी स्वीकृति दी। इन शर्तों का उद्देश्य "सरकार के लिए संभावित जोखिमों को कम करना" है, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में सुनक को प्राप्त विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी तक उनकी पहुंच से संबंधित हैं। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि उनकी नयी नौकरी से मिलने वाला वेतन धर्मार्थ संस्था 'रिचमंड प्रोजेक्ट' को दिया जाएगा जिसकी घोषणा इस वर्ष की शुरुआत में मूर्ति के साथ एक संयुक्त पहल के रूप में की गई थी।

ऑफ बीट

क्या युवाओं में कैंसर के लिए रसायन ज़िम्मेदार है?

पहले कैंसर को आमतौर पर बुज़ुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है। आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है – जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तरीकों से म्युटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्युटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्युटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्युटेशन कैंसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्युटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्युटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

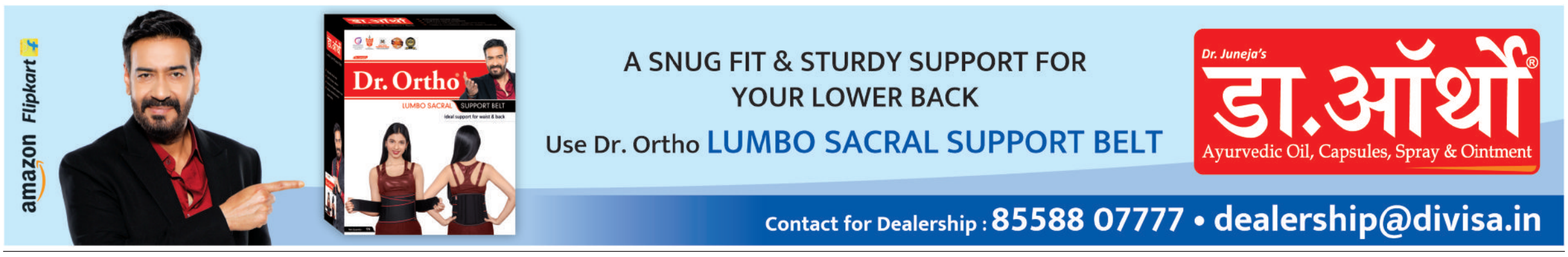

नासा के स्पेस स्टेशन पर 'भारतीय किसान' का कमाल

अंतरिक्ष में किसान बने शुभांशु, उगाई मेथी और मूंग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने 14 दिवसीय प्रवास के 12 दिन पूरे कर चुके हैं। इन 10 दिनों में उन्होंने कई प्रयोग किए। प्रयोगों के क्रम में उन्होंने किसान की भी भूमिका निभाई। उन्होंने अपने साथ ले गए मेथी और मूंग के बीजों का अंकुरण किया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में स्प्राउट्स प्रोजेक्ट को सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अंकुरण और पौधों के शुरुआती विकास और उन पर पड़ने वाले असर का अध्ययन करने के लिए अंजाम दिया जा रहा है।

14 दिवसीय प्रवास के पूरे कर चुके हैं 12 दिन

आईएसएस में दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ कर रहे प्रयोग

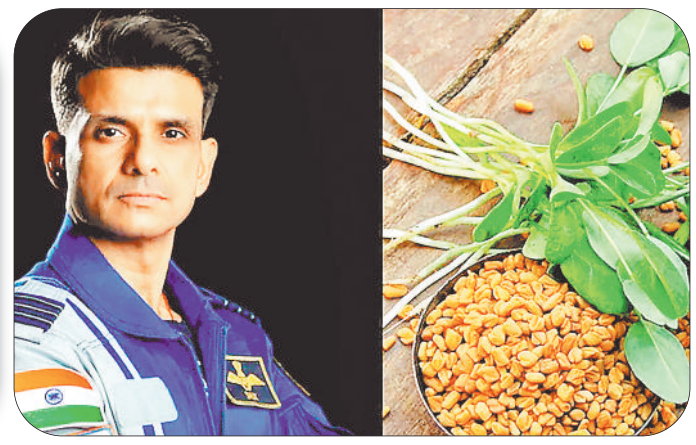

'भारतीय वैज्ञानिकों के लिए खुलेंगे नए रास्ते'

अपने प्रयोगों को लेकर शुभांशु ने एक्सिओम स्पेस की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. लूसी लोव से बात की। इस बातचीत में शुक्ला ने इस मिशन से माइक्रोग्रैविटी के लिए रास्ते खुलेंगे और इससे भारतीय वैज्ञानिकों के लिए नई राह खुलेगी। मुझे बेहद गर्व है कि इसरो दुनियाभर के संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहा है।' शुभांशु ने बताया कि वह कई वैज्ञानिक प्रयोग कर रहे हैं, जिनमें स्टेम सेल का अध्ययन, माइक्रोग्रैविटी में बीजों का विकास, अंतरिक्ष में मस्तिष्क पर पड़ने वाला असर आदि प्रयोग शामिल हैं।

25 जून से शुरू हुआ मिशन

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के क्रू का हिस्सा हैं। जिसने 25 जून को नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से उड़ान भरी थी। एक्सिओम-4 मिशन 14 दिन का है। अपने अंतरिक्ष प्रवास को खत्म कर 10 जुलाई के बाद मौसम की स्थिति के आधार पर किसी भी दिन पृथ्वी पर वापसी कर सकते हैं। वे फ्लोरिडा तट पर उतरेंगे। हालांकि नासा ने अभी तक एक्सिओम-4 मिशन को अंतरिक्ष स्टेशन से अलग करने की तारीख की घोषणा नहीं की है।

भारत के आसमां से गुजरता स्पेस स्टेशन

सोमवार, 7 जुलाई की रात जैसे ही इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने भारत के ऊपर से उड़ान भरी, एस्ट्रोफोटोग्राफरों और स्पेस की दुनिया को एक्सप्लोर करने वाले शौकीनों ने अपने कैमरे आसमान की ओर कर दिए। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन एक फुटबॉल मैदान के आकार का है और वह सोमवार रात को दिल्ली-एनसीआर के ऊपर से गुजरा. अगर आप चूक भी गए तो कोई बात नहीं, आप इसे हर दिन 12 जुलाई तक देख सकते हैं।

खबर संक्षेप

भारतीय मूल के सबीह खान बने एपल सीईओ

वाशिंगटन। एपल ने भारतीय मूल के सबीह खान को कंपनी का नया चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) बनाया है। वो इस महीने के अंत में जेफ विलियम्स की जगह लेंगे। जेफ 2015 से इस पद पर हैं। सबीह ने मुरादाबाद जैसे छोटे शहर से निकलकर टेक्नोलॉजी की दुनिया में ये मुकाम हासिल किया है। 2019 में वो एपल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ऑफ ऑपरेशंस बने थे।

रिटायरमेंट के बाद मेरा जीवन वेदों, उपनिषदों को

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की सियासत के बाद अगली पारी क्या होगी? इस सवाल से उन्होंने पर्दा उठाया है। 'सहकार संवाद' में उन्होंने कहा, मैंने फैसला लिया है कि राजनीति से रिटायरमेंट के बाद मैं अपना जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती के अध्ययन को समर्पित करूंगा। प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है जिसके अनेक लाभ हैं। शाह ने कहा, जब मैं देश का गृहमंत्री बना तब लोग मुझसे कहते थे कि आपको तो बड़ा और अहम विभाग मिल गया है।

मुझे नोबेल प्राइज मिलना चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नोबल प्राइज की इच्छा जाहिर की है। आप चीफ ने कहा कि जब तक हमारी सरकार दिल्ली में सत्ता में थी, तब तक हमें काम करने की इजाजत नहीं थी, फिर भी हमने काम किया। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने दिल्ली में जितना काम किया है, उसके लिए मुझे शासन और प्रशासन का नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन उतरा सड़कों पर

7 शहरों में ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम थमी ट्रेनों की रफ्तार, सड़कों पर जले टायर

बिहार बंद का दिखा व्यापक असर

ईसी ऑफिस नहीं पहुंच सके राहुल-तेजस्वी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन की ओर से बुलाए गए बिहार बंद और चक्का जाम का बुधवार को व्यापक असर हुआ। पूरे राज्य में सड़क से लेकर रेलवे स्टेशन तक विरोध प्रदर्शन किए गए। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। कई जगह टायर जलाए गए, रेलगाड़ियां रोकी गईं, सड़कें जाम रहीं और पटना में राहुल गांधी-तेजस्वी यादव ने मार्च निकाला। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए। इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए।

बिहार में चुनाव की चोरी की कोशिश हो रही : राहुल

राहुल ने यहां शहीद स्मारक चौक के पास सभा की। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में वोटों की लूट हुई थी अब बिहार में चुनाव की चोरी की कोशिश हो रही है। हरियाणा चुनाव में जहां वोट बढ़े वहां बीजेपी जीती। महाराष्ट्र में भी सभी नए वोट बीजेपी को मिले हैं। इसी तरह, बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता लग गया कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया है इसलिए वो नया बिहार मॉडल लाए हैं। यह गरीबों का वोट छीनने का तरीका है।

दो गुजराती तय करेंगे बिहारी वोटर कौन

राजद नेता और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि सरकार गरीबों से उनका हक छीनना चाहती है। वोटर लिस्ट जांच को गरीबों के खिलाफ साजिश बताते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 'पहले नाम हटाए जाएंगे फिर आपकी पेंशन-राशन छीना जाएगा। 'बिहार बंद' पर तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'चुनाव आयोग एक राजनीतिक दल का अंग बन गया है।

दिव्यांगजनों के लिए बदले नियम

बिना आधार नहीं मिलेगा कौशल विकास योजना का फायदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही कौशल विकास योजना में अब आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है।सरकार ने कहा है कि इस योजना के तहत किसी भी लाभार्थी को तब तक नकद लाभ नहीं मिलेगा जब तक वे अपना आधार नंबर या उसका पंजीकरण प्रमाण नहीं देंगे। सरकार ने साफ किया है कि इस योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाएं जैसे ट्रांसपोर्ट अलाउंस, बोर्डिंग-लॉजिंग, पोस्ट-प्लेसमेंट सहायता आदि पाने के लिए आधार नंबर देना या उसके लिए आवेदन करना अनिवार्य होगा। यह नियम 2 जुलाई 2024 से प्रभावी हो गया है।

बिना आधार वाले भी वंचित नहीं होंगे

हालांकि, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन पात्र दिव्यांगजनों के पास फिलहाल आधार नहीं है, उन्हें योजना से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्हें पहचान के लिए स्कूल दस्तावेज, जन्म प्रमाणपत्र या अभिभावकता से जुड़े कागजात देने होंगे।

बायोमेट्रिक फेल हो तो मिलेंगे विकल्प

अगर आधार ऑथेंटिकेशन बायोमेट्रिक वजहों से फेल हो जाता है, तो ओटीपी, क्यूआर कोड स्कैन या ऑफलाइन ई-केवाईसी जैसे विकल्पों से पहचान की जा सकती है। इसके लिए यूआईडीएआई से मंजूरी ली गई है और संबंधित अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है।

आधार केंद्र खोलने के निर्देश- मंत्रालय ने सभी कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे दिव्यांगजनों के लिए सुगम स्थानों पर आधार नामांकन केंद्र खोलें या खुद रजिस्ट्रार बनें, ताकि इन लोगों को कोई असुविधा न हो। यह कदम आधार नामांकन और अपडेट प्रक्रिया को तेज करने के लिए उठाया गया है।

कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

'पत्नी के चरित्र पर शक बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने का आधार नहीं'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने कहा है कि सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह है, उसके नाबालिग बच्चे का पितृत्व निर्धारित करने के लिए डीएनए परीक्षण कराने का आधार नहीं बनता। एक पारिवारिक कोर्ट की ओर से नाबालिग लड़के का डीएनए परीक्षण कराने के आदेश को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति आरएम जोशी ने कहा कि ऐसी आनुवंशिक जांच केवल असाधारण मामलों में ही कराई जा सकती है। 1 जुलाई के आदेश में न्यायमूर्ति जोशी ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि कोई व्यक्ति व्यभिचार के आधार पर तलाक का हकदार होने का दावा करता है या चरित्र पर शक होने को अपना आधार मानता है तो डीएनए परीक्षण कराने का आदेश देने का कोई उचित मामला नहीं बनता। कोर्ट के आदेश की प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई।

'पारिवारिक अदालत ने ऐसा आदेश पारित करके गलती की'

हाईकोर्ट ने कहा कि पारिवारिक अदालत ने ऐसा आदेश पारित करके गलती की। इसके बाद कोर्ट ने उसे रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति जोशी ने आदेश में कहा कि पारिवारिक अदालत के लिए बच्चे के सर्वोत्तम हित पर विचार करना अनिवार्य है। पीठ ने कहा कि किसी को भी खासकर नाबालिग बच्चे को रक्त परीक्षण कराने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब वह परीक्षण के लिए सहमत होने या न करने का निर्णय लेने में भी सक्षम न हो।

यह है मामला

व्यक्ति ने चरित्र पर संदेह का आरोप लगाते हुए अपनी पत्नी से तलाक मांगा था। याचिका के मुताबिक, इस जोड़े की शादी 2011 में हुई थी और जनवरी 2013 में जब वे अलग हुए तब महिला तीन महीने की गर्भवती थी। उस व्यक्ति ने अपनी अलग रह रही पत्नी के चरित्र पर शक को सही साबित करने के लिए बच्चे का डीएनए परीक्षण कराने की मांग की थी।

यमन में पूर्व व्यावसायिक साझेदार की हत्या का है आरोप

भारतीय नर्स निमिषा की बच सकती है जान

एजेंसी ▶▶ सना

युद्धग्रस्त यमन में मौत की सजा का सामना कर रही एक भारतीय नर्स को 16 जुलाई को फांसी दी जाएगी। निमिषा प्रिया को एक स्थानीय व्यक्ति, उसके पूर्व व्यावसायिक साझेदार तलाल अब्दो महदी की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसका कटा हुआ शव 2017 में एक पानी की टंकी में मिला था। यमन में सरकारी अधिकारियों और महदी के परिवार के साथ बातचीत में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता सैमुअल जेरोम बसकरन ने फांसी की तारीख की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, 'सरकारी अभियोजक ने जेल अधिकारियों को अभियोजन पत्र जारी किया है। फांसी 16 जुलाई को होनी है। विकल्प अभी भी खुले हैं। भारत सरकार उसकी जान बचाने के लिए मामले में हस्तक्षेप कर सकती है।'

खास बातें

- 16 जुलाई को दी जाएगी फांसी, अभी भी खुले हैं विकल्प
- 2008 में केरल से यमन गई थीं निमिषा

ब्लड मनी देने को तैयार निमिषा का पक्ष

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, निमिषा को बचाने के लिए काम कर रहे लोगों का कहना है कि उसे बचाने का एकमात्र तरीका यही है कि महदी का परिवार उसे माफ कर दे। उसके रिश्तेदारों और समर्थकों ने महदी के परिवार को 10 लाख डॉलर (Rs85709486) दियाह या ब्लड मनी के रूप में देने की पेशकश की है।

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अंतर्गत कब्जा सूचना

चूँकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 54, 2002) के अंतर्गत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दिए गए संबंधित तिथियों पर जारी किए गए मांग नोटिस के अनुसरण में, आप से/ऋणधारकों से, नीचे नामित, संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। तथापि, आप/उधारकर्ता सभी निर्धारित समय के भीतर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ने सरफेसी एक्ट, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इसके तहत नियमों को पढ़ते हुए, नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों को अपने **कब्जे** में ले लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं)/ सह ऋणधारक (ओं)/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गयी संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रू. में)	कब्जा की तिथि
1.	विकास देवांगन, सुचेता देवांगन	मकान-248/9, मौजा सरकंडा ख.नं. 248/9, प.ह. नं. 20, तहसील एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व- यशोदा की भूमि, पश्चिम- सड़क।	06-05-2025	1,221,937	07-07-2025
2.	अंजू गरुड़, अंजलि गरुड़	फ्लैट-46/4, प.ह. नं. 61, मौजा घुरू, ख.नं. 46/4 (टुकड़ा), प.ह.नं. 61, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व- शेष भूमि, पश्चिम- सुनील तांबे का मकान, उत्तर- सड़क, दक्षिण- सेविंग रोड।	06-05-2025	1,321,654	07-07-2025
3.	संदीप लाल यादव, ओशिन लाल यादव	मकान-ख.नं. 42/129, मौजा- अमेरी, प.ह.नं. 43, प्लॉट नं.-8, गली नं.-2, टेहटखौर, रा.नि.मं.-सकरी, बिलासपुर, बिलासपुर-495001 चौहद्दी: पूर्व -25' सड़क, पश्चिम- संतोषी राजपूत का प्लॉट, उत्तर- राजेश यादव का प्लॉट, दक्षिण- 30' सड़क।	06-05-2025	1,063,135	07-07-2025
4.	अजीत आडले, अनिता आडले, हिमानी आडले	प्लाट-ख.नं. 147/4, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील सकरी एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व- सड़क, पश्चिम- सूर्यवंशी की भूमि, उत्तर- विक्रेता की भूमि, दक्षिण- विक्रेता की भूमि।	06-05-2025	1,494,261	07-07-2025
5.	राहुल कछवाहा, जूही खटीक	प्लाट-ख.नं. 142/1 व 143/1, मौजा खमतराई, प.ह.नं. 25, तहसील एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- जल निकासी मार्ग, पूर्व- पटेल की भूमि, पश्चिम- निस्तारी सड़क।	06-05-2025	689,585	07-07-2025
6.	विजय कुमार, रेशमा बंजारे	मकान-248/3 भाग, मौजा सैदा, प.ह.नं. 41, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व- प्रस्तावित सड़क, पश्चिम- प्रस्तावित सड़क, उत्तर- विक्रेता की भूमि, दक्षिण- प्रस्तावित सड़क।	06-05-2025	1,492,676	07-07-2025
7.	प्रेम सिंह ध्रुव, सारिका ध्रुव	प्लाट-ख.नं. 278, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, रा.नि.मं. पेंड्री विकासखंड, तह. तखतपुर एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व- निस्तारी रास्ता, पश्चिम- राजकुमार पटेल का प्लाट, उत्तर- विक्रेता का प्लाट, दक्षिण- विक्रेता का प्लाट।	06-05-2025	1,003,331	07-07-2025
8.	रीतेश कुमार यादव, राजेश यादव	प्लाट-ख.नं. 214/2, मौजा रामगढ़, प.ह. नं. 17/30, तहसील मुंगेली, जिला मुंगेली, मुंगेली, छत्तीसगढ़-495334 चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम- नारायणलाल का प्लॉट, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- निस्तारी सड़क।	06-05-2025	1,313,897	07-07-2025
9.	सीताराम साहू, सरस्वती साहू	फ्लैट-प.ह.नं. 41, ख.नं. 41/8 भाग, मौजा सैदा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	06-05-2025	1,321,347	07-07-2025
10.	संजय साहू, रामझूल साहू, लगनी साहू	ख.नं-2318/8, 2318/14, प.ह.नं. 50, मौजा चोरभट्टीकला, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-वीरेंद्र कौशिक का प्लाट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	06-05-2025	1,170,195	07-07-2025
11.	आकाश गंधर्व, दिव्या भारती	प्लाट नं. -41/9, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, तह. सकरी एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-जोहर भारमल की भूमि, पश्चिम-सड़क, उत्तर-विक्रेता का पलाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	06-05-2025	963,344	07-07-2025
12.	राम प्रकाश विश्वकर्मा, मानवी विश्वकर्मा, पार्वती विश्वकर्मा, सौखीलाल विश्वकर्मा	प्लाट-ख.नं. 56/1, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, रा.नि.मं., अमसेना, तहसील सकरी, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट, पूर्व-सड़क, पश्चिम-सड़क।	06-05-2025	1,168,642	07-07-2025

ऋणधारक द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, ऋणधारक/जमानतदार और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊपर उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा ले लिया है।
ऋणधारकों/जमानतदारों और **आम जनता** को एतद्द्वारा आगाह किया जाता है कि वे ऊपर उल्लिखित संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों या उसके किसी भाग के साथ लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा, जो संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के विरुद्ध ऊपर उल्लिखित राशि के लिए है, **जो पूर्ण भुगतान होने तक उस पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय है।**
ऋणधारक का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 10-07-2025

द्वारा हस्ताक्षरित: प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

मानसून में स्किन प्रॉब्लम्स
बचाव के लिए बरतें सावधानी

मानसून में नमी की अधिकता की वजह से स्किन इंफेक्शंस की संभावना बहुत बढ़ जाती है। ये कौन सी समस्याएं हैं, इनके कारण, लक्षण क्या हैं और इससे बचाव के लिए आपको किन उपायों पर अमल करना होगा, बता रहे हैं आपको।

सीजनल डिजीज
चेतना झा

तपती गर्मी के बाद बारिश की फुहारें राहत तो देती हैं, लेकिन बारिश का मौसम हमारी त्वचा और बालों के लिए कई समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है। इस मौसम की नमी स्किन इंफेक्शन और दूसरी तमाम समस्याओं की वजह बनती है। इनसे बचाव के लिए प्रयास करने जरूरी हैं।

अधिक पसीना: वातावरण में नमी की अधिकता के कारण मानसून के मौसम में पसीने की समस्या होती है और यह स्किन इंफेक्शन का एक बड़ा कारण होता है। इससे त्वचा में खुजली की समस्या होती है और फिर इससे कई समस्याएं परेशान करती हैं।

मुंहासे: मुंहासे और त्वचा पर चकत्ते होना, अन्य समस्याएं हैं, जिनका सामना ज्यादातर लोग मानसून के मौसम में करते हैं। खासतौर पर उन लोगों को जिनकी त्वचा पहले ही अधिक ऑयली होती है, नमी बढ़ने से त्वचा अधिक सीबम का उत्पादन करने लगती है। इससे ऑयल अधिक बनने लगता है और यह बैक्टीरिया का बसेरा सा बन जाता है। चिपचिपी त्वचा पर धूल, गंदगी और पसीना लंबे समय तक चिपके रहते हैं, जिसकी वजह से स्किन पोर्स बंद हो जाते हैं। ऐसे में एक्ने और पिंपल्स निकलने लगते हैं।

एग्जिमा: एग्जिमा आसानी से ठीक नहीं होने वाला त्वचा रोग है। यह त्वचा संबंधी उन समस्याओं में से एक है, जो केवल मानसून के मौसम में होती है। एग्जिमा विभिन्न जटिलताओं जैसे चकत्ते, खुजली, लालिमा और त्वचा में इसी तरह की समस्याओं का कारण बनता है। यह समस्या उन लोगों में आम है, जिनकी त्वचा संवेदनशील होती है।

टिनिआ: यह भी मानसून में हमारी त्वचा को परेशान करने वाला एक फंगल संक्रमण है। इससे अत्यधिक खुजली होती है और असहज महसूस होता है। यह आपके सिर की त्वचा को भी संक्रमित कर सकता है। उसमें भी खुजली होती है।

स्केबीज: स्केबीज एक अन्य त्वचा रोग है, जो मुख्य रूप से घुन के प्रवेश के कारण होता है। इसको कुछ इस तरह समझिए कि इसमें परजीवी जीवाणु अंडे देते हैं और आपकी त्वचा में घोंसला भी बनाते हैं, जिससे संक्रमण बढ़ता है। इससे त्वचा में खुजली होती है और लालिमा भी नजर आती है। इससे रोगी को काफी तकलीफ महसूस होती है।

फोलिक्युलाइटिस या लोम: यह बाल कूप, बाल रोम या हेयर फॉलिकल का एक और जीवाणु संक्रमण है, जो मानसून के दौरान होता है। बता दें कि बालों के रोम दरअसल, हमारी त्वचा की रक्षा के लिए होते हैं। इससे हमारी त्वचा ढंकी रहती है। बैक्टीरिया और पसीने के बीच का स्पर्श त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण बनता है और फॉलिक्युलाइटिस का कारण भी बनता है। फॉलिक्युलाइटिस की वजह से पीड़ित की त्वचा पर बालों के रोम में सूजन हो जाती है। त्वचा की यह समस्या आमतौर पर जांघों, बगलों, नितंबों और गर्दन के आस-पास देखी जाती है। हल्के मामलों के लिए, स्थिति कुछ दिनों में ठीक हो सकती है, लेकिन गंभीर स्थितियों के लिए आपको चिकित्सकीय ट्रीटमेंट लेने की आवश्यकता हो सकती है।

दाद: दाद या रिंग वॉर्म त्वचा पर एक छल्ले के आकार में दिखाई देता है। जब आप इसे खुजलाते हैं, तो कई बार आपकी त्वचा पर मिनटों में दाने निकल आते हैं और उनसे पानी भी निकल सकता है। इसे एक संक्रामक फंगल संक्रमण भी माना जाता है, जो रोगी के दूसरों अंगों तक और दूसरे व्यक्ति को भी फैल सकता है।

ऐसे करें बचाव: इन बरसाती रोगों से बचाव के लिए इस मौसम में त्वचा को भीतर-बाहर से हाइड्रेट करने की उतनी ही जरुरत है, जितनी किसी और मौसम में होती है। इसलिए भरपूर पानी पिएं। साथ ही नॉन स्टिकी लाइटवेट मॉयश्चराइजर लगाएं। दो-तीन लीटर पानी प्रतिदिन सेवन करने से कोलेजन बनता है, जिससे ये रोग होने की आशंका कम हो जाती है। त्वचा की नियमित सफाई करें। इससे बैक्टीरिया और सीबम दोनों में कमी आती है। इस मौसम में फेस स्टीम यानी चेहरे पर भाप लेना भी लाभदायक है। इससे रोमछिद्र खुलते हैं और मृत त्वचा हटती है। भाप लेने से त्वचा पर रक्त प्रवाह बढ़ता है, जो त्वचा में ग्लो लाता है। समस्या होने पर बजाय इंटरनेट पर समाधान ढूंढ़ने के नजदीकी डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें, वे आपकी त्वचा के प्रकार और शारीरिक अवस्था के अनुरूप समस्या का समाधान बताएंगे।

मानसून में खास ध्यान रखें कि चेहरे को टच करने से पहले हाथ धुला हो। चेहरे पर कोई क्रीम, मॉयश्चराइजर आदि लगाने से पहले भी हाथ धुले हों। इससे बैक्टीरिया के फैलाव से बचाव होता है। ऑयली फूड्स जैसे फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, समोसे आदि खाने से बचें। इससे एक्ने-मुंहासे की समस्या बढ़ सकती है। *

(डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. सरोज राय से बातचीत पर आधारित)

मेंटल हेल्थ
शिखर चंद जैन

इन दिनों देश ही नहीं पूरी दुनिया में बेशुमार लोग मेंटल प्रॉब्लम्स से ग्रस्त हो रहे हैं। इसकी अनेक वजहें हो सकती हैं। लेकिन अगर आप अपनी डेली रूटीन लाइफ में कुछ एक्टिविटीज को शामिल कर लें तो बहुत हद तक इन मेंटल प्रॉब्लम्स से बच सकते हैं। ऐसी ही चार एक्टिविटीज और उनसे होने वाले फायदों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के चार मीत
रंग-कविता-कला-संगीत

आने वाले समय में कला का प्रयोग मानसिक सेहत को संवारने में व्यापक तौर पर किया जाएगा। अमेरिका की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के आर्ट्स इन मेडिसिन सेंटर में रिसर्च डायरेक्टर जिल सोनके कहते हैं, 'हमें बचपन की क्रिएटिव राइटिंग, ड्राइंग, सिंगिंग और डांसिंग से आगे चलकर भी जुड़े रहना चाहिए। आप बड़े होकर इनसे दूर हो रहे हैं तो यह गलत है। आपको म्यूजियम (कला के लिए), आर्ट गैलरीज, एग्जिबिशंस, कंसर्ट (म्यूजिक के लिए) आदि भी समय-समय पर जरूर अटेंड करने चाहिए।'

इस स्टडी के आधार पर मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स मानसिक सेहत को खुशमिजाजी और सुकून की खुराक देने के लिए कुछ एक्टिविटीज को अपनी डेली लाइफ में शामिल करने की सलाह देते हैं।

म्यूजिक सुनें

कई ऐसे अनुसंधान हो चुके हैं, जिनमें पता चला है कि गाना गाने, गाना सुनने और वाद्य यंत्र बजाने से कई तरह के फायदे हैं। गाने से स्ट्रेस हार्मोन कार्टीसोल का लेवल कम होता है। नवजात शिशुओं की मां गुनगुनाती है तो उनमें एंजायटी कम होती है। न्यूरोलॉजिस्ट सूजन मैग्सेमैन कहती हैं कि म्यूजिक से स्ट्रेस कम होने की वजह यह है कि रिद्म, लिरिक्स और कॉर्ड्स रिपीट करते समय हमारे दिमाग के कई हिस्से एक साथ एक्टिव हो जाते हैं।

यूरोप के एक विश्वविद्यालय में हुए शोध से पता चला है कि म्यूजिक थेरेपी डिमेंशिया या याददाश्त की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसके अलावा यह दर्द कम करने और अवसाद से मुक्ति दिलाने में भी सहायक है। यह कई अनुसंधानों के नतीजे में बताया जा चुका है। यही वजह है कि संगीत का उपयोग उपचार के लिए भी कई जगह किया जा रहा है। वैज्ञानिकों की माने तो म्यूजिक थेरेपी कैंसर के इलाज से लेकर पोस्ट स्ट्रोक ब्रेन के इंप्रूवमेंट में भी काफी मददगार साबित हो रही है। यूरोप के संगीत एंगिला रस्किन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि म्यूजिक थेरेपी से मस्तिष्क के कई क्षेत्रों में सकारात्मक असर पड़ता है। संगीत, मस्तिष्क और उसके कनेक्शन को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है।

थ्री ड्रॉइंग टेक्निक की प्रैक्टिस

अमेरिका में स्थित सेंटर ऑफ माइंड बॉडी मेडिसिन के संस्थापक-मनोचिकित्सक डॉक्टर जेम्स गार्डन ने थ्री ड्रॉइंग तकनीक बनाई है। इसके लिए आपको ड्रॉइंग एक्सपर्ट होने की जरूरत नहीं है। बस कोशिश करनी है। सबसे पहले आप खुद की कोई ड्रॉइंग बनाएं। फिर अगली ड्रॉइंग में खुद को अपनी सबसे बड़ी समस्या के साथ दिखाना होगा। और तीसरी ड्रॉइंग में आपको समस्या हल होने के बाद खुद को दर्शाना होगा। यह एक्सरसाइज सेल्फ डिस्कवरी को प्रोत्साहन देने के लिए है। इससे आपको अपनी समस्या का पता चलता है और संभावित हल पर विचार करने का अवसर मिलता है। साथ ही स्वयं में अंतर महसूस होता है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मेडिसिन में न्यूरोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर सूजैन मैग्सेमैन कहती हैं कि आप इस तकनीक से खुद ही अपने हीलर बन सकते हैं। इसके लिए आपको किसी थैरेपिस्ट की जरूरत भी नहीं है।

कलरिंग कीजिए

एंजायटी से उबरने के लिए अपने बचपन की कलरिंग एक्टिविटीज को फिर से सक्रिय कीजिए। किसी किताब, अखबार या पत्रिका में बने रेखाचित्रों में या खुद के बनाए रेखाचित्रों में रंग भरें। वैज्ञानिकों ने शोध में पाया है कि रोजाना 20 मिनट ज्योमैट्रिकल डिजाइन में रंग भरना एंजायटी को कम करने के लिए बहुत प्रभावी तकनीक है। क्लीवलैंड क्लिनिक में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और पुस्तक '50 वेज टू सूद योरसेल्फ विदाउट फूड' की लेखिका सूजेन अल्बर्ट्स कहती हैं, कलरिंग करना मिनी मेंटल वेकेशन जैसा है। जब हम किसी कागज पर बनी आकृतियों और रेखाचित्रों में अपने पसंदीदा रंग भरते हैं तो हमें आत्मसंतुष्टि मिलती है और साथ ही तमाम समस्याओं और चिंताओं से हमारा ध्यान बंटता है और मन को शांति मिलती है। यह एक प्रकार का मेडिटेशन ही है। इससे स्ट्रेस लेवल कम होता है और हमारी मेंटल हेल्थ इंप्रूव होती है।

कविता लिखें

साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर फ्रैंक क्लार्क अकसर कविताएं लिखते हैं। वह कोई कवि नहीं है लेकिन अपने दिल की भावनाओं को कागज पर कलम से उकेरना उन्हें सुकून देता है। वह इस प्रयोग के माध्यम से डिप्रेशन से उबर चुके हैं। वह कहते हैं, 'आप हाईकू से शुरू कर सकते हैं। इसमें अपने दोस्तों को भी शामिल कीजिए। नए-नए प्रयोग कीजिए, प्रतियोगिताएं कीजिए। यह आपके मनोरंजन का एक बेहतरीन तरीका बन सकता है।'

जर्नल आफ मेडिसिन ह्यूमैनिटीज में प्रकाशित एक शोध की रिपोर्ट बताती है कि कविताओं में हीलिंग पावर होती है। दोस्तों के साथ इन्हें शेयर करने के बहुआयामी लाभ हो सकते हैं। *

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

बरसात में जब करे अपच-एसिडिटी परेशान

मेरी उम्र 34 वर्ष है। बरसात के मौसम में अकसर अपच और एसिडिटी होने लगती है। कृपया कुछ ऐसा बताएं, जिससे मुझे यह प्रॉब्लम न हो।

-आदित्य, हिसार

बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा समस्या वाटर बॉर्न डिजीजेज की होती है। कई बार सप्लाई में या अन्य जगह दूषित पानी आता है और लोग इसे पीते हैं, जिससे इस तरह की प्रॉब्लम शुरू हो जाती हैं। आपकी समस्या सुनकर ऐसा ही लग रहा है कि आपका डाइजेशन सिस्टम गड़बड़ हो जाता है। इससे बचने के लिए आप बाहर का पानी न पिएं। अपना पानी घर से लेकर निकलें। इसके साथ ही बाहर के कटे हुए फल और अन्य खुले में बिकने वाले फूड्स या फ्रूट्स का सेवन बिल्कुल ही बंद कर दें। इन बातों पर अमल करने से आपको समस्या से राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। एक साल पहले मैंने अपने घुटने का ऑपरेशन करवाया था। पिछले एक-डेढ़ महीने से मुझे फिर से चलने-फिरने के दौरान घुटनों में दर्द हो रहा है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-प्रमोद, भोपाल

सामान्यतः इसके दो कारण हो सकते हैं। कई बार मौसम बदलते समय ऐसी दिक्कत शुरू होती है तो कभी-कभार चोट लगने से भी ऐसी तकलीफ होने लगती है। लेकिन बेहतर होगा कि आप उन्हीं डॉक्टर से संपर्क करें, जिन्होंने सर्जरी की है। वह जांच कर इसकी वजह बताएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे। बगैर जांच करे कोई भी ट्रीटमेंट न लें।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। पिछले पंद्रह दिनों से मेरे सिर में हल्का दर्द बना रहता है। कभी-कभी यह दर्द बहुत तेज हो जाता है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-अखिल, धमतरी

इस तरह के दर्द की वजह कोई चोट हो सकती है या आंखों का कमजोर होना भी वजह बन जाती है। लेकिन अगर आपको चोट नहीं लगी और आंखें ठीक हैं तो आपको जरूर एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। बगैर जांच किए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मुझे बहुत वीकनेस लगती है इसलिए मैं कुछ वीक्स से मल्टीविटामिन कैपस्यूल लेता हूं। कृपया बताएं कि यह कितना सेफ है? इसके कोई साइड इफेक्ट्स तो नहीं होंगे?

-सुदेश, बिलासपुर

मल्टीविटामिन कैप्सूल खाना तो ठीक है लेकिन आपको वीकनेस आने का कारण पता लगाना चाहिए कि इसकी वजह क्या है? क्या शरीर में खून की कमी है? बेहतर होगा कि डॉक्टर से संपर्क कर अच्छी तरह जांच कराएं। अगर सब कुछ ठीक है तो विटामिन कैप्सूल के साथ आप नेचुरल प्रोटीन और विटामिन वाले फूड्स अधिक लें।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे बाल बहुत झड़ते हैं। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे छुटकारा पाया जाए?

-दीपक, कोंडागांव

बारिश के मौसम में त्वचा और बालों की समस्या के लिए गंदे पानी का इस्तेमाल एक बड़ा कारण हो सकता है। दूषित पानी से जहां त्वचा रोग होता है, वहीं बाल झड़ने की समस्या भी शुरू होती है। इसलिए आप कोशिश करें कि साफ पानी से ही नहाएं। साबुन और शैंपू का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें। इससे आपको समस्या से राहत मिलेगी। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

बारिश में संक्रमणों से बचाए कच्ची हल्दी

हर्बल जोन/ रेखा देशराज

कच्ची हल्दी या फ्रेश टर्मरिक रूट एक अत्यंत प्रभावी और पारंपरिक प्राकृतिक औषधि है, विशेषकर बरसात के मौसम में जब संक्रमण, अपच और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में कच्ची हल्दी का औषधि के रूप में इस्तेमाल बहुत प्रभावी है।

मौसमी बीमारियों से बचाए: कच्ची हल्दी में मौजूद करक्यूमिन शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल तत्व होता है। यह करक्यूमिन मौसम बदलने के समय होने वाली जुकाम, खांसी, गले की खराश और बुखार आदि से रक्षा करता है। बरसात के मौसम में लोगों का अकसर पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। इन दिनों कच्ची हल्दी का इस्तेमाल पाचन संबंधी सक्रियता बढ़ाती है। कच्ची हल्दी के इस्तेमाल से गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

इम्यूनिटी को मजबूत करे: कच्ची हल्दी एक नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर है। मानसून में जब रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, तब यह कच्ची हल्दी इसे पुनः सक्रिय करने में मददगार साबित होती है। यह त्वचा के संक्रमण और फंगल रोगों से भी बचाव करती है। कच्ची हल्दी गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत देती है।

ऐसे करें इस्तेमाल: मानसून के दिनों में कच्ची हल्दी को दूध में आसानी से लिया जा सकता है। इसके लिए एक से दो इंच कद्दूकस की हुई कच्ची हल्दी को एक कप गर्म दूध में डालें और रात में पीएं। इसे शहद में भी लिया जा सकता है। एक चम्मच कद्दूकस की हुई कच्ची हल्दी में एक चम्मच शुद्ध शहद मिलाकर सुबह खाली पेट लें। एक अन्य तरीका है कि कच्ची हल्दी वाली चाय या काढ़ा पिया जाए। अगर फंगल संक्रमण है तो इसका पेस्ट बनाकर उस जगह पर लगाएं, तुरंत राहत मिलेगी।

बरतें सावधानियां: एक बार में कभी भी तीन या चार इंच से ज्यादा कच्ची हल्दी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे गैस या जलन हो सकती है। जिन लोगों को पित्त की समस्या हो, उन लोगों को कच्ची हल्दी का इस्तेमाल करते हुए संयम बरतना चाहिए। यदि आप ब्लड थिनर या शुगर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसका सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना न करें। *

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा में छिपे 2 जीवों के अवशेष मिले, उम्र इतनी कि वैज्ञानिकों का चकराया सिर

न्यूयार्क। दुनिया की सबसे बड़ी गुफा प्रणाली कही जाने वाली मैमथ केव जो अमेरिका के केंटकी में स्थित है, 325 मिलियन साल से भी पुराने 2 राक्षसों की खोज हुई है। जमीन के नीचे ये गुफा 420 मील से ज्यादा फैली हुई है। यहां वैज्ञानिकों को दो पुराने शार्क के जीवाश्म मिले हैं। ये शार्क समुद्र के ऐसे किनारे के उथले पानी में रहती थीं जो फिलहाल अब मौजूद नहीं हैं।

जब धरती को मिला नया रूप

ये जीवाश्म उस समय की झलक दिखाते हैं जब पूर्वी-उत्तरी अमेरिका का ज्यादातर हिस्सा गर्म और महासागरों में डूबा था। शार्क के मीले जीवाश्मों से यह कहानी बाहर आती है कि कैसे समुद्री जीवन और उनमें होने वाले बदलावों ने हमारे ग्रह को वैसा रूप दिया जैसा हम आज इस देख रहे हैं।

क्यों खास है ये खोज?

इन खोजों को सबसे खास बनाती है इनकी उपास्थि जो बहुत ही सुरक्षित मिली हैं खासकर ग्लिकमैनियस केयरफोरम की। ऐसा इसलिए, क्योंकि उपास्थि आमतौर पर आसानी से जीवाश्म नहीं बनते, इसका कारण है इनका नाजुक होना और लाखों सालों में टूट जाना। लेकिन, मैमथ गुफा के अंदर का सुरक्षित माहौल इन अवशेषों को बचा पाया। इससे वैज्ञानिकों को ये सुराग मिलते हैं कि प्राचीन समय में शार्क कैसे रहती और शिकार करती थी।

प्राचीन मैमथ गुफा : ट्रोग्लोक्लाडोडस ट्रिम्बली और ग्लिकमैनियस केयरफोरम, ये उन 2 प्रजातियों के नाम है, जिनकी खोज विशाल मैमथ गुफा में हुई है। ये दोनों ही सीटीनाकैंथ शार्क के समूह से जुड़ी हैं। इन शार्कों का आकार करीब 10-12 फीट हुआ करता था, यानी आज की समुद्र व्हाइटशिप शार्क के जितना। इस दोनों की ही जीवाश्म लगभग 32.5 करोड़ साल पहले बने चूना पत्थर की परतों के बीच पाए गए हैं। बता दें कि उस समय मध्य से लेकर बाद का मिसिसिपियन काल चल रहा था। इस खोज से पता चलता है कि 325 मिलियन साल पहले उथले पानी में समुद्री जीवन था।

समुद्री जीवन का खुलासा

इस जीवाश्मों से हमें सिर्फ अतीत की जानकारी ही नहीं मिलती, बल्कि भी पता चलता है कि समुद्री जीवन ने कैसे बदलते माहौल में खुद को ढाला। मिसिसिपियन काल के दौरान आज की केंटकी और अलबामा का तट क्षेत्र इन शार्कों का घर हुआ करता था। यह खोज हमें याद दिलाती है कि मैमथ गुफा जैसी जगहें, जिनके बारे में भी हम सोचते हैं हम इस जगह को अच्छे से जानते हैं, उनके पत्थरों के बीच ऐसे रहस्य छिपे हैं जो हमें हैरान कर सकते हैं।

करना पड़ा मुश्किलों का सामना

इन जीवाश्मों की खोज करना कोई बच्चों का खेल नहीं था। नेशनल पार्क सर्विस की जीवाश्म विज्ञान टीम ने गुफा अनुसंधान फाउंडेशन के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम किया। बहुत सावधानी से उन्होंने तंग रास्तों का नक्शा बनाया और उसके बाद जमीन के रास्तों से गुजरे और छोटे-छोटे जीवाश्म के टुकड़ों को बाहर निकाला। यह दिखाने के लिए कि टीमवर्क कितना जरूरी है, शार्क ग्लिकमैनियस केयरफोरम का नाम गुफा अनुसंधान फाउंडेशन के खास सहयोग के सम्मान में रखा गया। अधीक्षक बार्कले ट्रिम्बल बताते हैं कि 2019 के अभियान के समय ट्रोग्लोक्लाडोडस ट्रिम्बली के जीवाश्म का दांत मिला था। इस छोटे टुकड़े की मदद से कई नमूनों की पहचान करना संभव हो सका।

रोचक खबरें

अंतिम संस्कार का सच! इलेक्ट्रिक चिता में जिंदा हो उठती है लाश, निकालती है आवाजें

लंदन। अपनों को खोने का दर्द असहनीय होता है, लेकिन मृत्यु जीवन का एक कटु सत्य है। मृत्यु के बाद शुरू होती है अंतिम संस्कार की प्रक्रिया, जो हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है। पहले लकड़ी की चिता पर शव को अग्नि दी जाती थी, लेकिन अब पर्यावरण संरक्षण और लकड़ी की कमी के कारण इलेक्ट्रिक शवदाह गृह का उपयोग बढ़ गया है। हालांकि, इस आधुनिक तकनीक से जुड़ी कुछ बातें लोगों को डराती हैं। कहा जाता है कि इलेक्ट्रिक मशीन में शव जलाने के दौरान शरीर में हलचल होती है और आवाजें निकलती हैं, जिससे ऐसा लगता है मानो लाश जिंदा हो रही हो।. दरअसल, इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में शव को उच्च तापमान (800-1000 डिग्री सेल्सियस) पर जलाया जाता है। यह प्रक्रिया लकड़ी की चिता से तेज और पर्यावरण के लिए कम हानिकारक मानी जाती है। लेकिन, इस दौरान कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जो लोगों में भय पैदा करती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जब शव को भट्टी में रखा जाता है, तो गर्मी के कारण शरीर के मांसपेशियों और ऊतकों में संकुचन होता है। इससे शरीर में हल्की-फुल्की हलचल या ऐंठन दिखाई दे सकती है, जो देखने में ऐसा लगता है जैसे शव 'उठकर बैठ रहा हो।'

इसके अलावा, शरीर में मौजूद तरल पदार्थ और गैसें गर्मी के कारण वाष्पित होती हैं, जिससे फटने या सिसकने जैसी आवाजें निकलती हैं। ये आवाजें सुनकर लोग डर जाते हैं और मिथक फैलने लगते हैं कि शव 'जिंदा' हो गया।

पेट से जुड़ी बीमारी है ओसीडी 99 % भारतीय आज तक नहीं समझ पाए

बीजिंग। हाल ही में चीनी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध में सामने आया है कि ओसीडी की कारण मानसिक नहीं, बल्कि शारीरिक हो सकता है। शोध के मुताबिक हमारे पेट में रहने वाले बैक्टीरिया ही लोगों में ओसीडी के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इस जांच का मुख्य लक्ष्य था कि पेट के बैक्टीरिया और ओसीडी के बीच संबंध को समझा जा सके। टीम ने 6 तरह के बैक्टीरिया की पहचान की है। हमारे दिमाग और आंत के बीच एक संबंध देखा गया है, जहां हमारी मेंटल हेल्थ पाचन तंत्र के काम करने के तरीके पर असर डालती है। हालांकि, ऐसा पहली बार देखा गया है जब वैज्ञानिकों को ऐसे सबूत मिले हैं जिससे साफ पता चलता है कि आंत के बैक्टीरिया मेंटल हेल्थ से जुड़ी स्थितियों को प्रभावित करती हैं। पहले किए गए शोध में पेट के बैक्टीरिया और ओसीडी के बीच एक कनेक्शन देखा गया था। लेकिन, उसके सटीक कारण का पता नहीं लगाया जा सका था। इस विश्लेषण से पता चला है कि पेट के कुछ बैक्टीरिया का ओसीडी से सीधा संबंध हो सकता है। इसकी मदद से इस बीमारी को रोकने और नए तरीकों को खोजने में मदद मिलेगी। इन दोनों के बीच के संबंधों को पता करने के लिए चीन के शोधकर्ताओं ने मेंडेलियन रैंडमाइजेशन नाम की खास जेनेटिक तरीके का इस्तेमाल किया। उनके नमूनों से 2 सेट लिए गए। पहले सेट में 18,340 लोगों का डाटा और उनके पेट की बैक्टीरिया के बीच का संबंध देखा गया और दूसरे सेट में 199,169 लोग शामिल थे। उन्होंने आनुवंशिक डाटा और ओसीडी के बीच के संबंध का अध्ययन किया। इस मेंडेलियन रैंडमाइजेशन तकनीक की मदद से उन्हें ये अंतर खत्म करने और पेट के बैक्टीरिया पैटर्न को ओसीडी से जोड़ने में मदद मिली।

पृथ्वी के इतिहास का सबसे बड़ा सांप कौन?

1 टन है वजन

बोगोटा। पृथ्वी पर जीवन करीब 4.543 अरब वर्ष पुराना है। पृथ्वी पर जीवन के आने के बाद से कई तरह के जीव यहां पैदा और विलुप्त हुए है। पृथ्वी से विलुप्त हुए जानवरों का आकार लंबे समय से बहस का विषय रहा है। दूसरे तमाम जीवों के अलावा सांपों को लेकर भी अलग-अलग समय पर रिसर्च सामने आती रही हैं। ये बताती हैं कि एक समय समय धरती पर ऐसे सांप रहे हैं, जिनका वजन एक टन से ज्यादा था। खासतौर से वासुकी इंडिकस और टाइटेनोबोआ के बीच ये टक्कर मानी जाती है कि इनमें से कौन पृथ्वी पर रहा सबसे बड़ा सांप था। 58-60 मिलियन वर्ष पहले पेलियोसीन युग के दौरान कोलंबिया के दलदली पारिस्थितिक तंत्र में रहने वाले टाइटेनोबोआ सेरेजोनेंसिस को प्रागैतिहासिक इतिहास का सबसे बड़ा सांप माना जाता है।

पिघलते ग्लेशियर दोगुनी कर सकते हैं ज्वालामुखी विस्फोट, भारत के लिए भी बजी खतरे की घंटी

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पिघलते ग्लेशियर ना सिर्फ समुद्र का जलस्तर बढ़ाएंगे, बल्कि ज्वालामुखी विस्फोटों का भी बड़ा कारण बनेंगे। एक नए शोध के अनुसार, ग्लेशियर का पिघलना ज्लावामुखी को और भी विस्फोटक बना सकता है जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या और भी बढ़ सकती है। 8 जुलाई को प्राग में आयोजित गोल्डश्मिट कॉन्फ्रेंस 2025 में इस अध्ययन को रखा गया।

भारत पर असर

हालांकि, भारत में ग्लेशियरों के नीचे कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है। लेकिन, हिमालय में ग्लेशियरों का पिघलना भारत के लिए चिंता की बात है। अगर ये समस्या वैश्विक तौर पर बढ़ती रहती है तो भारत को वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक नुकसान का भी सामना करना पड़ सकता है।

ग्लेशियर और ज्वालामुखी

क्या आप जानते हैं कि इस समय दुनिया भर में करीब-करीब 245 ज्वालामुखी ग्लशियरों के नीचे या फिर उनके 5 किलोमीटर के दायरे में मौजूद हैं। इसमें अंटार्कटिका, रशिया, न्यूजीलैंड और उत्तरी अमेरिका के क्षेत्र शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने साउथ चिली के 6 ज्वालामुखी का अध्ययन किया और पाया कि ग्लेशियरों का पिघलना ज्वालामुखी के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

वैज्ञानिकों की सलाह

वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें उन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देना चाहिए जिन जगहों पर ज्वालामुखी और ग्लेशियर दोनों मौजूद हैं। साथ ही वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका, रूस, न्यूजीलैंड और उत्तरी अमेरिका में ज्वालामुखियों की निगरानी बढ़ाने की सलाह दी है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों को भी कम करने की जरूरत है।

बढ़ सकते हैं विस्फोट

विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता और इस पूरे अध्ययन के प्रमुख लेखक पाब्लो मोरेनो येगर ने बताया कि ग्लेशियर के कारण ज्वालामुखियों में विस्फोट की मात्रा काफी हद तक दबी रहती है। लेकिन, जैसे-जैसे ये पिघलते जा रहे हैं, वैसे ही ज्वालामुखी और ज्यादा घातक तौर पर फट सकते हैं।

चिली में हुआ शोध

वैज्ञानिकों ने साउथ चिली के पटागोनियन आइस शीट के पिघलने और वहां के ज्वालामुखियों की भी जांच की। लगभग 18 से 26,000 साल पहले आइस एज पीक पर था, तब बर्फ की मोटी चादरों ने ज्वालामुखी के विस्फोट को दबा रखा था। इस दौरान मैग्मा और गैस धरती के नीचे जमा हो रही थी।

कैसे होते हैं ज्वालामुखी प्रभावित?

ग्लेशियरों का भारी वजन धरती की सतह के नीचे मैग्मा परतों पर दबाव डालते हैं। यहीं दबाव ज्वालामुखी को नियंत्रित करने में मदद करता है। लेकिन, ग्लेशियर के पिघलने से दबाव कम होता है और मैग्मा गैसें फैलने लगती हैं। यह पहले भी आइसलैंड में 10,000 साल पहले हिमयुग के अंत में देखी जा चुकी है। ग्लेशियर के पिघलने के कारण आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट 50 गुना तक बढ़ गई। यह आइसलैंड की भूगर्भीय संरचना के कारण हुआ, जो उत्तरी अमेरिकी और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच में स्थित है।

35 साल बाद दिखाई दिया ये शिकारी श्वान वैज्ञानिकों ने मान लिया था विलुप्त

नई दिल्ली। बहुत कम समय में ही धरती से जानवरों की कई सारी प्रजातियों लुप्त हो चुकी हैं। भारत में भी ऐसे ढेरों जानवर हैं जो लुप्त हो चुके हैं या फिर उनकी संख्या इतनी कम है कि जल्द ही गायब हो जाएंगे। इसी बीच असम के जंगलों में अचानक से कुछ बहुत ही असाधारण हुआ, एक शिकारी जानवर जिसे काफी लंबे समय से लुप्त मान लिया गया था, लौट आया। काजीरंगा-कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में पिछले 35 सालों में पहली बार जंलगी श्वान (क्यूऑन अल्पाइनस) को देखा गया। 25,000 वर्ग किमी वाले इस क्षेत्र में यह श्वान लंबे समय से दिखाई नहीं दिया था। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा में प्रकाशित यह खोज 2 साल के अध्ययन के बाद ली गई तस्वीरों पर आधारित है। फरवरी 2021 से दिसंबर 2022 के बीच वैज्ञानिकों की टीम ने चार गलियारों पनबारी, हल्दीबाड़ी, कंचनजुरी और अमगुरी में 83 कैमरा लगाए थे। कैमरों ने 15,278 दिन तक वीडियो बनाना जारी रखा, अंत में इस जंगली श्वान की तस्वीर लेने में सफलता हासिल की। भारतीय वन्यजीव संस्थान के पीएचडी स्कॉलर और प्रमुख शोधकर्ता मुजाहिद अहमद ने बताया कि इस प्रजाति को लगभग 3 दशक पहले इस क्षेत्र में देखा गया था, उसके बाद अब यह फिर से सामने आया है।

वैज्ञानिकों ने खोजे छोटे प्लाज्मा लूप, सूर्य के अंदर छिपा रहस्य सुलझा

न्यूयार्क। आईआईए के वैज्ञनिकों ने बताया कि ये नए लूप जिनकी खोज हुई है, वह बहुत कम समय तक नहीं रहते शायद इसलिए ये अभी तक छिपे हुए थे। लेकिन, इन लूप से ये समझने में मदद मिलेगी कि सूर्य अपनी चुंबकीय ऊर्जा को कैसे जमा करता है और फिर कैसे छोड़ता है। ये लूप सूर्य की सबसे बाहरी परत में कोरोनल लूप में पाए जाते हैं। ये गर्म प्लाजमा से बने होते हैं और इनका आकार धनुष जैसा होता है। इनका तापमान 10 लाख डिग्री तक होता है। **3 से 4 हजार किमी लंबे :** ये छोटे दिखने वाले प्लाजमा लूप लगभग 3 से 4 हजार किलोमीटर लंबे होते हैं, लेकिन इनकी चौड़ाई 100 किमी से भी कम होती है। ये सूर्य के वातावरण की निचली परतों में छिपे होते हैं जिसे पहले की दूरबीनों में देखना संभव नहीं था। इन चीजों को ठीक से देखने के लिए आईआईए के वैज्ञानिकों ने बहुत ही साफ तस्वीरें लेने और स्पेक्ट्रोस्कोपी की तकनीक का इस्तेमाल किया।

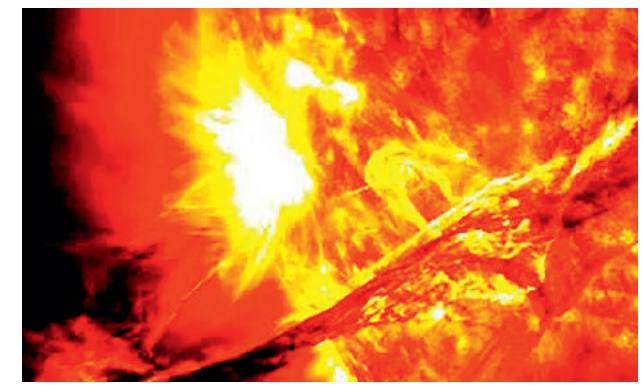

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक : 09-सीईई-सी-एसईसीआर-2025, दिनांक-01/07/2025
कार्य का नाम : 'द. पू. म.रेलवे के रायपुर मण्डल में 2x25 केवी एसी ऊपरी उपस्कर उपकरण प्रणाली द्वारा उरकुरा से रायपुर स्टोर डिपो के बीच क्रॉस ओवर सहित दोहरीकरण लाइन का विद्युतीकरण (लगभग 2. 150 आरकेएम /3.5 टीकेएम)''। **निविदा मुल्य :** रू. 2,49,07,633.79 (दो करोड़ उन्चास लाख सात हज़ार छः सौ तैतीस पॉइंट सात नो) मात्र । **बयाना राशि :** रू. 2,74,500/- (दो लाख चोहत्तर हज़ार पांच सौ) मात्र । **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :** 25.07.2025 को 15:30 बजे । **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक :** 25.07.2025 को 15:45 बजे । **कार्य पूर्णता की अवधि :** 12 (बारह माह) एल. ओ. ए. जारी होने के तारीख के बाद से ।
वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान : उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी / ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई- निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइड http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
सीपीआर/10/AM/151 द.पू.मं. रेल्वे रायपुर(छ.ग.)
South East Central Railway @secrail

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

निविदा आमंत्रण सूचना

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा **युगे युगीन भारत संग्रहालय,** नई दिल्ली के लिए व्यापक संग्रहालय डिज़ाइन (वास्तुकला एवं प्रदर्शनी डिज़ाइन) सेवाओं हेतु डिज़ाइन सलाहकार के चयन हेतु प्रस्ताव हेतु अनुरोध 09 जुलाई 2025 को जारी किया गया है।
इच्छुक बोलीदाता **eprocure.gov.in** पर विवरण देख सकते हैं।
बोली जमा करने की अंतिम तिथि 01 अगस्त 2025 है।
CBC 09101/11/0010/2526

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रथम निविदा विज्ञप्ति

नि.क्र.17/न.पा.नि./जोन क्र.08/2025-26 बिलासपुर दिनांक 09.07.2025
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा दिनांक 30.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि राशि (लाखों में)	अमानत राशि (रु.)
1	जोन क्र. 08 अंतर्गत वार्ड क्र. 59 से 68 तक डब्ल्यू.एम.एम. प्रदाय कार्य।	4.72	5000
2	जोन क्र. 08 विभिन्न स्थानों पर आर.सी.सी. स्लैब/ प्रीकास्ट स्लैब निर्माण कार्य।	4.00	5000
3	वार्ड क्र. 60 के विभिन्न स्थानों के नालियों में स्लैब निर्माण कार्य।	5.00	5000
4	वार्ड क्र. 61 में सुभाष चौक का मरम्मत कार्य।	0.80	2000

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी ज़ोन क्र.08 कार्यालय भवन सिटी बस डिपो प्रथम तल कोनी से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपलन अभियंता
ज़ोन क्र.08 न.पा.नि.
बिलासपुर (छ.ग.)
वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

सीएमपीडीआई मिनी रत्न cmpdi Mini Ratna
सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड
CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LTD.
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी ईकाई)
गोन्दवाना प्लेस, कॉंक रोड रॉंची - 834008, झारखण्ड, भारत

सूचना
"सामग्री, कार्यो एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)
क्रमांक 1402/न.पा.नि./लोनिवि/25-26 अम्बिकापुर, दिनांक 09/07/2025
-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा विभिन्न वार्डो में नाली / सीसी रोड/ सड़क डामरीकरण कार्यों हेतु कुल राशि रू. 970.26 लाख के 48 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है।
विस्तृत निविदा सूचना छ.ग. शासन के ई- प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त,
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)
क्रमांक 1854/ न.पा.नि. /2025 रायगढ़ दिनाँक 09/07/25
।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।
नगर पालिक निगम रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	171759	CONSTRACTION OF SANSKRITIK SHED AT DHANGARDIPA, RAIGARH AT W.N. 02	17.00	31.07.2025
2	171767	CONSTRACTION OF SAMUDAYIK BHAVAN AT W.N. 25 KAUHAKUNDA	19.51	31.07.2025

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि. रायगढ़

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
क्रमांक/587/तक./न.पा.परि./2025-26 दन्तेवाडा, दिनांकः 09.07.2025
:: ई-निविदा आमंत्रण निरस्तीकरण सूचना ::
कार्यालय के ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 531 दिनांक 26.06.2025 के द्वारा निकाय क्षेत्र में **STP 2.80 MLD** क्षमता के निर्माण कार्य हेतु सिस्टम टेण्डर क्रमांक 170912 के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित किया गया था, उक्त कार्य की ई-निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN- U40108CT2003SGC0158200 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (SUB-STATION)
Quarter No. OA-01, Old CSEB Colony, Tifra, Bilaspur (C.G.) 495223
Website- www.cspc.co.in e-mail:- cessonm.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. 07752-493537 Fax No. 07752-493537
No. 02-17/Pur/T-531/810 Bilaspur, Date: 09/07/2025
NOTICE INVITING TENDER
Sealed tenders are invited from eligible experienced contractor on labour contract basis for the following works:-

SN	Tender No.	Particulars	E.M.D
01.	02-17/Pur/ TR-531/810 Dtd.09/07/25 (RFx. No. 8100044992)	Job Work For Detailed Health Earth Assessment Audit/ Analysis On earthing system of 132 KV and 33 KV bays based on latest relevant standard and detail recommendation with optimal implementable solution at 132 KV S/s Silpahri under EE (S/s) Dn. CSPTCL, Bilaspur	6,100.00
Cost of Tender Documents (Non-refundable) incl. GST@18%			2,000.00
Last Date & Time of Sale of Tender: -		30/07/2025	15:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-		31/07/2025	15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-		31/07/2025	15:30 Hrs

Terms & conditions:- (i) In case any of the above date is declared as holiday, then the particular date will automatically get shifted to next working day.(ii) Any notice for extension of due date of tender opening shall not be published in newspapers. It will be displayed only on official website of the company.(iii) The tender will be processed through e-bidding module of SAP-SRM. Bidders are advised to visit our web site www.cspc.co.in/csptcl for viewing detailed instructions regarding submission of offer through SAP-SRM

SAVE ELECTRICITY
Executive Director (S/s)
CSPTCL Bilaspur

प्रथम पृष्ठ का शेष

300 मीटर की ऊंचाई...

से बने होते हैं और किसी एक स्थान पर एकत्रित होकर बरस पड़ते हैं। सामान्य दिनों में बादल जमीन से 450 मीटर की ऊंचाई पर होते हैं, मगर बारिश के दिन में इनमें कमी आ जाती और वे काफी नीचे तक आ जाते हैं। अभी प्रदेश में मानसून सक्रिय है और लगातार बारिश हो रही है। रायपुर में भी वर्षा की गतिविधि अपने तेज प्रभाव के साथ जारी है, इसलिए बादलों ने शहर के ऊपर अपना कब्जा जमाया हुआ है। सिस्टम के सक्रिय होने की वजह से गुरुवार को भी मध्य छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है।

मंत्री-विधायकों को...

जनता आपको आपके व्यवहार और काम से जितना पसंद करेगी, आपके लिए जीत का रास्ता उतना ही आसान होगा। जनता के काम आना ही आपका काम है। **कमजोर बूथों पर करें फोकस-** श्री संतोष ने कहा, भले आप आज विधायक या सांसद बन गए हैं, लेकिन उस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि आपका कमजोर बूथ कौन सा है। अभी से उस कमजोर बूथ को मजबूत करने पर काम करें। इसी के साथ इस बात का भी ध्यान रहे कि जो बूथ आज मजबूत है , वह कमजोर न होने पाए।

अभी से करें...

काम प्रारंभ कर दें। अलग-अलग हिस्सों में बांटकर कार्ययोजनाएं बनाएं कि कब-कब क्या करना है। इस कार्य योजना का अहम हिस्सा जनता से निरंतर संपर्क होना चाहिए।

छग के कई...

जानकारी के अनुसार बीते चार दिनों से हो रुक-रुककर हो रही भारी बारिश के चलते राजनांदगांव सहित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के कई क्षेत्रों में पानी भर गया है। शिवनाथ नदी के किनारे कुछ गांव के घर बाढ़ की स्थिति है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में भारी बारिश की वजह से शिवनाथ नदी में बाढ़ है। बारिश की वजह से मोहला-मानपुर जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

इंद्रावती नदी ने...

दूसरा ग्रामीण अब तक लापता है। दूसरे दिन बुधवार को भी उसकी तलाश जारी रही। बारसूर पुलिस के जवान तलाशी अभियान में जुटे हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार दोनों ग्रामीण इंद्रावती नदी के दूसरी तरफ स्थित बोधघाट गांव के साप्ताहिक बाजार गए हुए थे, जहां से लौटते वक्त लकड़ी की डोंगी नदी के तेज बहाव में अनियंत्रित होकर पलट गई। एक ग्रामीण किसी तरह चट्टान तक पहुंचने में सफल हो गया।

महमरा एनीकट 8...

इसके एक दिन पहले 50 हजार क्यूसेक पानी मोंगरा व घुमरिया बैराज से छोड़ा गया है। इस तरह अब तक 80 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने और लगातार मूसलाधार बारिश की वजह से शिवनाथ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है।

नरेंद्र तोमर और...

पहुंचेंगे। वे यहां से कुशाभाऊ ठाकरे परिसर जाएंगे। यहां पर निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दूसरे दिन यहां से बिहार दौरे पर रवाना होंगे।

फाइटर प्लेन जगुआर...

नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें कहा गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गई। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वायसेना ने हादसे में जनहानि पर 'गहरा दुख' जताते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है।

अमेरिका में गिरफ्तार...

में हिरासत में लिया और उसे लेकर अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान संख्या एए 292 में सवार हो गए, जिसके बुधवार रात को यहां पहुंचने की उम्मीद है। अमेरिकी अधिकारियों के साथ निरंतर सहयोग के माध्यम से अमेरिका में नेहल मोदी की गिरफ्तारी के बाद हाल के दिनों में एजेंसी के लिए यह दूसरी बड़ी सफलता है।

करोड़ों का स्कैम...

लिए 6 लाइसेंस हासिल किए। इन्हें अहमदाबाद के व्यापारी दीप को मुनाफे में बेच दिया। दीप ने ड्यूटी फ्री गोल्ड के इम्पोर्ट के लिए इन लाइसेंस का इस्तेमाल किया, जिस वजह से 1998 में सरकार को 1.44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस मामले में 31 मार्च 2004 को मोनिका कपूर, राजन खन्ना, राजीव खन्ना के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 बी, 420, 467, 468, 471 के तहत दिल्ली की साकेत कोर्ट में चार्जशीट दायर की गई थी।

अब सीधे आसमान...

दे दी है। यह मंजूरी पांच साल की अवधि के लिए वैध है। स्टारलिंक 2022 से ही वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए भारतीय बाजार पर नजर गड़ाए हुए थी। मंजूरी मिलने के बाद स्टारलिंक को अब सरकार से स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा। उसे देशभर में ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के हिसाब से टेस्टिंग करनी होगी। कंपनी की योजना भारत में कम से कम तीन गेटवे स्टेशन स्थापित करने की है। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस जल्द ही स्टारलिंक को सुरक्षा परीक्षण के लिए ट्रायल स्पेक्ट्रम भी आवंटित करने जा रहा है। इसके अलावा, ट्राई की हालिया सिफारिशों के आधार पर सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन के नियम और कीमतें तय करने की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है।

गुरु दक्षिणा...64 वर्ष...

भी कथक नृत्य कला को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचा रही हैं। लखनऊ घराने की नृत्य कला का प्रचार-प्रसार पूरी दुनिया में पहुंचाकर अपने कथक गुरु स्व. डॉ. पी.डी. आशीर्वादम के प्रति सच्ची भक्ति एवं गुरु-शिष्य परंपरा की मिसाल कायम कर रही हैं। **64 वर्ष की उम्र में भी दे रही कथक की शिक्षा-दीक्षा-** 4वीं कक्षा से कथक की शुरूआत करने वाली डॉ.राजश्री नामदेव आज 64 वर्ष की उम्र में भी गुरु के नाम से संचालित गुरू आशीर्वादम नृत्य अकादमी में प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं को कथक नृत्य कला की दीक्षा दे रही हैं। डॉ. राजश्री ने बताया, 10 साल पहले उन्होंने गुरू आशीर्वादम नृत्य अकादमी नाम से शहर में नृत्य अकादमी की शुरूआत की थी। आज पूरे शहर में 6 अलग-अलग ब्रांच हैं, जहां से हर वर्ष 125 से अधिक छात्र-छात्राएं कथक नृत्य में पारंगत हो रही हैं। 1991 से 1993 तक गुरु डॉ.पी.डी. आशीर्वादम से कथक नृत्य कला में शिक्षा-दीक्षा ली। लखनऊ घराने में गुरु-शिष्य परंपरा रही है, इसके अनुरूप कड़ी तपस्या व साधना से कला का प्रशिक्षण लेना और समर्पण भाव के साथ प्राप्त कथक नृत्य कला का जीवन भर प्रचार-प्रसार करना पड़ता है। गुरु के संस्कार व घराने की परंपरा को अंतिम सांस तक निभाने का प्रयास ही गुरुजी के प्रति मेरी सच्ची गुरु दीक्षा है। **अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शिष्याएं बढ़ा रही गुरु-शिष्य का मान-** इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशन में एकल कथक नृत्य में शुमार प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना डॉ. स्वप्निल करमहें बताती है कि वह बचपन में 3 से 4 साल की उम्र से ही कथक नृत्य का अभ्यास शुरू कर दिया था। इसके बाद 12 वर्ष से 26 वर्ष की उम्र तक खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से कथक नृत्य में कड़ी साधना, तपस्या और संमर्पण भाव से गुरु डॉ. पी.डी. आशीर्वादम के सानिध्य में शिक्षा-दीक्षा ली है। गुरु डॉ.पी.डी. आशीर्वादम के अंतिम सांस तक मैं उसके साथ रही। उन्होंने मुझसे कहा कि उनकी दी कला को संसार को बांटना, बांधकर मत रखना। गुरु की इसी आज्ञा का पालन करते हुए शहर की डिग्री गर्ल्स कॉलेज में नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष के रुप छात्राओं को कथक नृत्य सीखाती हूं। मेरी शिष्याएं राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय मंचों पर कथक नृत्य में पुरस्कार जीतकर गुरु-शिष्य परंपरा का मान बढ़ा रही हैं। इसमें मेरी शिष्या चमेली जलतारे, विनिता नपापित को दूरदर्शन में प्रस्तुति के लिए बी ग्रेड मिला है। हाल ही में मेरी 5 साल की शिष्या देबांशी बिश्वास ने दार्जलिंग में बीते माह हुए अंतर्राष्ट्रीय कथक प्रतियोगिता तरांगण में पहल स्थान हासिल किया।

दो पीढ़ियों के गुरु...

लेने पहुंचते हैं। दो पीढ़ियों को शिक्षा देने के बाद जीवन सफल लगता है। **आत्मिक विषय के लिए गुरु महत्वपूर्ण-** मंजूषा कहती हैं, गुरु सिर्फ ज्ञान देने वाला नहीं होता, बल्कि वह जीवन की दिशा दिखाने वाला पथप्रदर्शक होता है। संगीत जैसे आत्मिक विषय की शिक्षा जब छोटे बच्चों को दी जाती है, तो गुरु की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मैं जीवन के 50 बसंत देख चुकी हूं। मात्र 8 वर्ष की आयु से संगीत की शिक्षा लेनी प्रारंभ की थी। मेरे पति दीपक 7 साल के थे, जब उन्होंने संगीत सीखना प्रारंभ किया। बीते 32 वर्षों से वे छात्रों को संगीत सीखा रहे हैं। उनके गुरु अनिता सेन और अरुण सेन रहे हैं। मैंने स्व. मुकुंद हीरवे से संगीत की तालिम हासिल की थी। जो कुछ भी आज है, वह गुरुओं का ही सिखाया हुआ है।

इधर, गुरुदक्षिणा में...

शिक्षकों की कड़ी मेहनत शामिल है। गुरु पूर्णिमा के अवसर हरिभूमि सफल गुरु की भूमिका निभाने वाले चिकित्सा शिक्षकों का अनुभव और नाम कमाने वाले शिष्यों से मिलने वाली खुशी को साझा करने का प्रयास कर रहा है। **00 रिसर्च में नाम आना ही बड़ी उपलब्धि-** आयुष विवि से कुलपति के रूप में सेवानिवृत्त हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एके चंद्राकर कहते हैं कि जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली कांफ्रेंस में उनके छात्र रिसर्च पेपर पढ़ते हैं और उनका नाम लेते हैं, तब उन्हें वास्तविक खुशी मिलती है। उनका उद्देश्य था कि उनसे शिक्षा लेने वाले भविष्य में अच्छे डाक्टर बनकर सेवा दें। शिष्यों को ऐसा करते देखना ही उनकी बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा पढ़ाए गए छात्र छत्तीसगढ़ के साथ देश के अन्य राज्यों के बड़े डाक्टर के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले पढ़ाई के दौरान प्रैक्टिकल पर ध्यान दिया जाता था, अब इसमें कमी आई है। उन्होंने कहा कि पुराने के साथ नये छात्रों को भी वे पढ़ाई के टिप्स देते हैं, जो उन्हें गुरु होने अहसास कराता है।

हुआ कैंसर तो शिष्य...

प्रदेश के कई बड़े अस्पतालों के डायरेक्टर बनकर लोगों को चिकित्सकीय सेवा प्रदान कर रहे हैं। अपने गुरु होने और सफल शिक्षा देने का अहसास तब हुआ, जब उन्हें कैंसर हो गया। जिस डाक्टर को उन्होंने पढ़ाया था, उसने ही सर्जरी कर उन्हें नया जीवन दिया जो उनकी वास्तविक गुरु दक्षिणा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कालेजों में जिम्मेदार पद पर रहकर उन्होंने चिकित्सा छात्रों को पढ़ाया है। सेवानिवृत्त होने के बाद भी कई पुराने छात्र जो अब नामी डाक्टर बन चुके हैं, वे सलाह लेने आते हैं, तो उन्हें अपने गुरु होने पर नाज होता है।

न्यायालय नायब तहसीलदार-3 एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.टी.एल.क्र. 18804 दिनांक 12.03.2025

सर्वससाधरण/आम जनता ग्राम कोनी को सूचित किया जाता है कि नायब तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्रमांक 675/ना. तह./वा./2025 दिनांक 26.06.2025 द्वारा "Working Womens Hostel" निर्माण योजना के अंतर्गत ग्राम कोनी प.ह.न.-23 तहसील बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं. 345/1/क कुल रकबा 10.542 हे. में से 1.50 एकड़ वर्गफूट भूमि को कार्यालय कलेक्टर (भूमि आबंटन शाखा) बिलासपुर छ.ग. के टी.एल. क्र. 18804 दिनांक 12.03.2025 एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा) बिलासपुर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

अत: जिस किसी व्यक्ति को/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति/दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 14.07.2025 को सुबह 11:00 बजे स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नही किये जायेगें।

आज दिनांक 26.06.2025 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

"Working Womens Hostel" निर्माण हेतु पारित ईश्तहार का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	ग्राम का नाम	खसरा क्र.	रकबा	ग्राम कोनी जिला बिलासपुर	भू-उपयोग
1.	ग्राम कोनी प.ह.न.-23	345/1/क	10.542 हेक्टेयर मे से 1.50 एकड़ वर्गफूट	शासकीय भूमि	"Working Womens Hostel"

न्यायालय नायब तहसीलदार-3 बिलासपुर

संवाद-44481

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क./विद्युत/2025 दिनांक 02.07.2025

नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों में कार्यरत निम्नलिखित कार्य से संबंधित अनुभवी निविदाकारों से शेड्यूल अनुसार आयटम दरों पर, निविदा फार्म-बी में ई-प्रोक्यूरमेंट (E-Tendering) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रान्तर्गत एस.एस. फ्रेम एण्ड रेट्रो रिफ्लेक्ट्रोराइज्ड साइनेज बोर्ड प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (निगम मद) (प्रथम निविदा)	12.04	23.07.2025 (T.No. 171420)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संभाग-महासमुंद

निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञापन क्रमाक-76

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग महासमुंद अंतर्गत निक्षेप कार्य के तहत जिला-महासमुंद के ब्लॉक बसना ग्राम-गढ़फुलझर में सर्व जन समाज, मंगल भवन के निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारो से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग-महासमुंद के मोबाईल नं. 9993233629 पर संपर्क करें।

कार्यपालन अभियंता

संवाद-44477

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 96, 101 दिनांक 17.06.2025 एवं 85 दिनांक 02.06.2025 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल बिलासपुर

जी.-252602078/3

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 07.07.2025

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1.	74/CE/NH/TC /44-08/2025 (2nd Call)	2025_MoRTH_867714_1	Consultancy services to carry out drone survey and video analysis with various latest technological tools including Artificial intelligence and Machine Learning to provide deliverables including status and reports for the National Highway stretches under the jurisdiction of State PWD (Tentative length 2451 km).	Rs 167.14 Lacs

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.07.2025 सुबह 17.30 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र,
रायपुर (छ.ग.)

जी - 252602077/2

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी रायपुर वनमण्डल, रायपुर (छत्तीसगढ़)

(0771) 2427640, Fax: 2427640
E-mail- dfo_raipur@rediffmail.com

क्रमांक / स्था./रा./2418 रायपुर, दिनांक 8/7/25

// शारीरिक मापजोख एवं दक्षता परीक्षण की सूचना//

छत्तीसगढ़ शासन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विभिन्न वनमण्डलों को आबंटित वनरक्षक सीधी भर्ती के 1484 पद में से नोडल अधिकारी, रायपुर वनमण्डल, रायपुर को आबंटित 63 पदों में सीधी भर्ती के पात्र अभ्यर्थियों के दक्षता परीक्षण स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा, रायपुर में दिनांक 25.11.2024 से 06.12.2024 तक करायी गई है। ऐसे अभ्यर्थी जिनका लम्बी कूद मैनुअल कराया गया है, तथा जिन्होनें अन्य तीनों इवेंट में न्यूनतम अंक व इससे अधिक अंक प्राप्त किये है, को सूचित किया जाता है, कि दिनांक 13.07.2025 को प्रात: 06:00 बजे स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा, रायपुर में मशीन से दक्षता परीक्षण लम्बी कूद कराये जाने हेतु आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होवें। अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र विभागीय वेबसाईट WWW.forest.cg.gov.in में अपलोड कर दी गई है।

वनमण्डलाधिकारी
एवं नोडल अधिकारी रायपुर
वनमण्डल, रायपुर

जी - 252602069/2

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

Required- Walk in interview at Ocean public School for Computer, PRT Maths, Eng, TGT Maths, Science Good Salary. At 9am- 12pm. Address House no- 394/5, Geetanjali city phase-2, Bahatarai, BSP 6264161800, 7999299930 (38196)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड एवं सिक्युरिटी एजेन्सी में कार्य किया हुआ अनुभवी सुपरवाइजर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752 448013 (38194)

आवश्यकता है- कोनी में स्थित रियल स्टेट प्रोजेक्ट कालोनी में साईड सुपरवाईजर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता दी जायेगी संपर्क करें वृन्दावन प्लाजा थर्ड फ्लोर नेहरू चौक बिलासपुर 9827150404, 9827468609 (38191)

आवश्यकता है-Aqua Guard सर्विस सेन्टर में फील्ड कार्य हेतु 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट बाईक वाले लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हर्ष इंटरप्राइजेस, विनोबा नगर बिलासपुर 9039014222, 8962337374 (38156)

आवश्यकता है- मोहदा, बिल्हा मोड़ एवं राजेन्द्र नगर चौक बिलासपुर हेतु सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता वेतन 9000 से 10000 तीन फोटो आधार कार्ड सहित तत्काल सम्पर्क करें- 8109314893, 7773895202 (38193)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर शिक्षक, फील्ड सर्वे करने के लिए पुरूष/महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन कमीशन+सैलरी योग्यता अनुसार संपर्क करें अटल चौक बहतराई बिलासपुर 6262354545 (38188)

आवश्यकता है- लड़की/ महिला की आवश्यकता है समय 11 से 12घंटे या 24घंटे (घर में रहकर) साफ सफाई, बच्चे की देखभाल हेतु वेतन 8000 से 14000 सम्पर्क करें- सरकंडा बिलासपुर 9871292627 7055101621 (38190)

आवश्यकता है- थोक आलू प्याज दुकान में मैन्युअल अकाउंट एवं अन्य सामान्य कार्य हेतु लड़का चाहिए कार्य समय सुबह 9 से रात्रि 8 बजे आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- व्यापार विहार बिलासपुर 9300328370 (38143)

आवश्यकता है-व्यापार विहार में होलसेल दुकान में सेल्समैन दो लड़के एवं ऑफिस में कम्प्यूटर+ मैन्युअल एकाउंट कार्य हेतु दो लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 8 से 10 बजे तक 9300311692 (38178)

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के, लड़कियों की। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000+ रहना खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर, 8818877406, 9644433021 (38186)

आवश्यकता है-बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, रायगढ़ अंबिकापुर, मनेन्द्रगढ़ जिलों में सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर गनमैन की आवश्यकता है। PF, ESI, मेडिकल, आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190 9098318675 (38141)

आवश्यकता है-बकुल अगरबत्ती में छोटा हाथी एवं वैन चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बकुल अगरबत्ती, गुरुद्वारा के सामने, मेन रोड, दयालबंद, बिलासपुर 9644234567 (38184)

आवश्यकता है-UTN शॉप में मार्केटिंग कार्य करने हेतु सेल्स एक्जीक्यूटिव-5 लीडर-5, ट्रेनर-7 लड़के, लड़कियां चाहिए पता- शॉप नं. FS-16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक, बिलासपुर, 7806007192, 7999594790 (38187)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों एवं गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी लाईसेन्स धारी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें 7697368454 (38182)

आवश्यकता है-रियल एस्टेट प्रोजेक्ट हेतु प्रॉपर्टी सेल्स में 2-3 वर्ष अनुभवी सेल्स, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है आकर्षक वेतन+ इंसेंटिव सम्पर्क करें- जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास सकरी रोड बिलासपुर 8109412221 (38185)

आवश्यकता है-कॉस्मेटिक दुकान में काम करने हेतु लड़कों,लड़कियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर (बीजी साफ्टवेयर जानकार) की आवश्यकता है पेमेंट भरपूर दिया जाएगा सम्पर्क करें-नैतिक ट्रेडर्स 7711006641 (37963)

आवश्यकता है-(1) आफिस वर्क, हिन्दी टायपिंग फाइलिंग वर्क हेतु अनुभवी (2) अनुभवी मेहनती साइट मैनेजर (3) घरेलू काम+ महिला की देखभाल हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8078280001, 6267249741 (38177)

आवश्यकता है-घरेलू समस्त कार्य करने के लिए लड़की/ महिला की आवश्यकता है रहने की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी राजकिशोर नगर, बिलासपुर 9993902995, 9301186703 (37851)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

आवश्यकता है-चश्मा शोरूम में कार्य हेतु सेल्समेन चाहिए वेतन योग्यतानुसार 7000 से 15000 अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- गुरु नानक चश्मा मिशन हॉस्पीटल मोड़ पर सिम्स चौक सदर बाजार बिलासपुर (38179)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019 (074)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु टेलीकालिंग के लिए महिलाओं, युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 8वीं, 12वीं, ग्रेजुएशन सैलरी योग्यता अनुसार 5000 से 20000 तक सम्पर्क करें- नेहरू नगर गीतांजलि विहार बिलासपुर 07587027996 (0022)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना संपर्क 8770508791, 7225815090 (502)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-ऑफिस में टैलीकॉलिंग हेतु महिलाओं लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी+ कमीशन योग्यता- 8वी से ग्रेजुएट सम्पर्क करें- CMO ऑफिस के पास सरकंडा बिलासपुर 8827828446, 8827552921 (133)

आवश्यकता है- मेंट्रिमोनी में कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है, सैलरी- 5000 से 20000 कमाने का अवसर संपर्क करें:- पत्रकार कॉलोनी आर.बी हॉस्पिटल के पास 6268331784, 7987392821 (169)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन 5000/- +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें:- नेहरू नगर Sai मन्दिर के पास 7805932585 (168)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18 से 28वर्ष वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15000 से 20000 प्रतिमाह रहना फ्री सम्पर्क करें- 7796880121, 8889257623 (165)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000-45000 /- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें-9798472261 (1024)

सर्विसेस

सर्विसेस- टिफिन सेवा घर से दूर घर जैसा वेज, नॉनवेज खाना घर, दुकान, ऑफिस, हॉस्टल, हॉस्पिटल तक किफायती दर पर पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क करें- चॉइस टिफिन सर्विसेस सरकंडा बिलासपुर 8982979406 (38195)

बेचना है

बेचना है- 3BHK नया फ्लैट सभी शासकीय अनुमति प्राप्त सर्वसुविधायुक्त परिसर में चकरभाटा मार्केट से लगा, हाईकोर्ट और एयरपोर्ट से नजदीक, बहुत वाजिब कीमत में शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9826130163, 8770523386 (38173)

किराया

किराया-महावीर सिटी राज किशोर नगर स्थित सर्व सुविधा युक्त स्वतंत्र 2BHK मकान किराए से देना है शासकीय/ अर्धशासकीय कर्मचारियों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9425557903, 9424164634 (161)

किराया- अलका एवेन्यू में 4 बेडरूम, 3 अटैच्ड, 1 कॉमन टॉयलेट, हॉल, किचन, बड़ा पोर्च, सर्वसुविधायुक्त ड्यूप्लेक्स Senior MIG 23 बेचना है सम्पर्क करें- 9827112700, 8827808042 (38192)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-सुंदरम फाइनेंस द्वारा पाएं घर बैठे लोन आसान किस्तों पर समूह लोन बिजनेस लोन, आधार लोन, पर्सनल लोन, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रॉपर्टी लोन 2% वार्षिक ब्याज 30% छूट हेल्प लाइन-8127684826 हेड ऑफिस-9889062539 (156)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME

(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25

1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.

5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Edition	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS

Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com

Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

भारत के एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) में 10 दिनों से भी कम समय में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। ग्वाइट ने 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे (नौ दिन, 21 घंटे) में पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। इस स्पर्धा में 60 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रा-साइकलिस्टों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की।

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग : कैरियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे गिल

एजेंसी ▶▶ दुबई

शुभमन 23वें स्थान से 15 पायदान की छलांग लगाकर सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंचे

भारतीय कप्तान शुभमन गिल एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद अपने करियर में पहली बार बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल हो गए।

गिल ने मैच में 269 और 161 रन की पारी खेली थी, जिससे वह टेस्ट की दोनों पारियों में 150 से अधिक रन बनाने वाले इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 336 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में यह उनकी पहली जीत भी थी। श्रृंखला से पहले 24 वर्षीय शुभमन 23वें स्थान पर थे और बुधवार को जारी आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में 15 पायदान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए।

एजबेस्टन में 430 रन से उन्होंने अभी तक दो टेस्ट में कुल 585 रन बना लिए हैं। अभी श्रृंखला में तीन मैच और खेले जाने हैं। गिल के करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 14 थी जो उन्होंने सितंबर 2023 में हासिल की थी।

वनडे में गिल बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

वहीं वनडे में गिल बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि श्रीलंका के चरित असलंका (छठे स्थान पर) और कुसल मेंडिस (10 पायदान के फायदे से 10वें स्थान पर) ने बांग्लादेश पर 2-1 से श्रृंखला जीत के बाद छलांग लगाई है। श्रृंखला में नौ विकेट लेने के बाद वानिंदु हसरंगा एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में 11 पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह भले ही कार्यभार प्रबंधन के कारण एजबेस्टन मैच में नहीं खेल पाए हो लेकिन इसके बावजूद टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष पर बने हुए हैं। मोहम्मद सिराज अच्छे प्रदर्शन के बाद छह पायदान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए जबकि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ और अल्जारी जोसेफ को भी फायदा मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रुक ने एजबेस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाकर टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। जो रूट दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे स्थान पर हैं।

जायसवाल चौथे और स्मिथ पांचवें स्थान पर

भारत के यशस्वी जायसवाल चौथे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। गिल अब बुक से केवल 79 रेटिंग अंक पीछे हैं। इंग्लैंड के विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 184 और 88 रन बनाने के बाद 16 पायदान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग (10वां स्थान) हासिल की और शीर्ष 10 में जगह बनाई। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की पारी की बदौलत 34 पायदान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए। मुल्डर टेस्ट ऑलराउंडर सूची में भी तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि भारत के रविंद्र जडेजा अब भी शीर्ष पर बने हुए हैं।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट और भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता, 5 मैच की श्रृंखला बराबरी पर

बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों का होगा इम्तेहान

लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर होगी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶ लंदन

मैच भारतीय समयानुसार आज दोपहर 3:30 पर शुरू होगा

शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लॉर्ड्स की चुनौती पूर्ण पिच पर सफलता हासिल करने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करना होगा जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जबकि भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता था और इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला अभी बराबरी पर है। भारत की दूसरे मैच में 336 रन से जीत के बाद हालांकि समीकरण काफी बदल गए हैं। भारत ने अभी तक दोनों मैच में अधिकतर समय अपना दबदबा बनाए रखा है और अगर उसने पहले टेस्ट मैच में कुछ कैच नहीं छोड़े होते और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो वह श्रृंखला में 2-0 से आगे होता।

शर्मा और कोहली की नहीं खली कमी

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम की अनुभवहीनता को देखते हुए लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम उस पर हावी रहेगी लेकिन अभी तक जिस तरह से भारत ने प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए उसे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खली।

संभावित टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

इंग्लैंड ने किया टीम में बदलाव टंग की जगह अब खेलेंगे आर्चर

स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 2021 के बाद से अपने पहले टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं क्योंकि इंग्लैंड ने उन्हें भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश में शामिल किया है।

इंग्लैंड की अंतिम एकादश

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती

इसके अलावा, प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती भी है। बुमराह और जोफ्रा आर्चर की वापसी से बल्लेबाजों का काम और कठिन हो जाएगा। आर्चर चार साल में इंग्लैंड के लिए अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं।बल्लेबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए ज़्यादा चिंता की कोई बात नहीं है, सिवाय करुण नायर के फॉर्म के, जो लेंथ से उछलती गेंदों के सामने थोड़े असहज दिखे हैं। इंग्लैंड यशस्वी जायसवाल की शॉर्ट पिच गेंदों से परीक्षा लेने की कोशिश करेगा लेकिन पूरी संभावना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रन बनाने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेगा। भारत की अंतिम एकादश में एकमात्र अपेक्षित बदलाव प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह का आना होगा। लीड्स के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवालिया निशान उठे थे।

आयरलैंड को 6-1 से दी मात

हॉकी : भारत ने जीत के साथ की यूरोप दौरे की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ आइंडहोवन(नीदरलैंड)

भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में आयरलैंड को 6-1 से हराकर अपने यूरोपीय दौरे की शानदार शुरुआत की।

भारतीय टीम की तरफ से उत्तम सिंह, अमनदीप लाकड़ा, आदित्य लालगे, सेल्वम कार्थी और बॉबी सिंह धामी ने गोल किए। भारत ने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा और आयरलैंड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उत्तम ने भारतीय टीम के लिए पहला गोल किया और बाद में अमनदीप ने टीम की बढ़त को और मजबूत कर दिया। इसके बाद आदित्य ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो गोल दागकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

फॉरवर्ड सेल्वम कार्ति और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल करके स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। भारतीय रक्षा पंक्ति ने भी अच्छा खेल दिखाया और आयरलैंड के प्रयासों को अच्छी तरह से नाकाम किया। आयरलैंड की टीम केवल एक गोल ही कर पाई। भारत अब फिर से आयरलैंड का सामना करेगा। इसके बाद वह अगले दो सप्ताह में फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और मेजबान नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा।

■ आदित्य ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो गोल दागे

क्लब विश्व कप : चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर बनाई फाइनल में जगह

■ फाइनल रविवार को खेला जाएगा

एजेंसी ▶▶ ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका)

■ जोआओ पेड्रो के शानदार दो गोल से चेल्सी ने किया फाइनल में प्रवेश

जोआओ पेड्रो ने चेल्सी के लिए पहली बार शुरुआत करते हुए अपनी बचपन की टीम के खिलाफ दो गोल दागे, जिससे इंग्लैंड के क्लब ने ब्राजील के क्लब फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। चेल्सी की इस जीत से यह भी सुनिश्चित हो गया कि क्लब विश्व कप का विजेता फिर से यूरोप का ही कोई क्लब बनेगा क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल फ्रांस के पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और स्पेन के रियाल मैड्रिड के बीच खेला जाएगा।

चेल्सी की निगाह दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने पर

जोआओ पेड्रो जब 10 साल के थे तब फ़्लुमिनेंस से जुड़ गए थे और 2020 में वाटफोर्ड जाने तक वह इस क्लब की तरफ से खेलते रहे। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने क्लब विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में 18वें और 56वें मिनट में गोल किए और अपने पूर्व क्लब के प्रति सम्मान दर्शाते हुए किसी भी गोल का जश्न मनाने से इनकार कर दिया। वह दो जुलाई को ब्राइटन से चेल्सी में शामिल हुए थे। चेल्सी की निगाह अब दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने पर लगी होगी। उसने इससे पहले 2021 में खिताब जीता था। फाइनल रविवार को खेला जाना है।

आईपीएल में इस्तेमाल किए गए साल्ट के बल्ले को मिली मंजूरी

लंदन। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट इंडियन प्रीमियर लीग सहित पिछले दो वर्षों से जिस बल्ले का उपयोग कर रहे थे उसे शुरू में मैदान पर गेज परीक्षण में गलत पाया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में लंकाशर की तरफ से खेलने वाले 28 वर्षीय साल्ट ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर (छ.ग.) Regional Office: Ambikapur (C.G.)

अचल/चल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना

ईएमडी और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि और समय 14/08/2025 को या उससे पहले अपराह्न 03:00 बजे तक (दस्तावेजों के अनुमोदन में 2-3 कार्य दिवस लग सकते हैं)

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में बंधक रखी गई अचल/चल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना:

आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं) एवं जमानतदार(ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता "सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया" के पास बंधक रखी गई है, जिसका भौतिक/प्रतीकात्मक कब्जा (संपत्ति के सामने विशेष रूप से उल्लिखित) सुरक्षित ऋणदाता द्वारा बंधक समझौते के तहत लिया गया है, नीलामी के लिए रखी जाएगी तथा इसे नीचे उल्लिखित **"जहां है जैसा है", "जो है जैसा है" तथा "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जाएगा, ताकि ऋणी(ओं) एवं जमानतदार(ओं) से सुरक्षित ऋणदाता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया को देय राशि की वसूली की जा सके। संबंधित सम्पत्तियों का आरक्षित मूल्य तथा बयाना राशि नीचे उल्लिखित है।

स. क्र.	उधारकर्ताओं/ शाखा का नाम	संपत्ति / सुरक्षित संपत्ति का विवरण और संपत्ति के मालिक	मांग सूचना की तिथि / बकाया राशि / कब्जा सूचना की तिथि	आरक्षित मूल्य / धरोहर जमा राशि / बोली वृद्धि राशि	शाखा नाम/ सम्पर्क व्यक्ति एवं सम्पर्क नंबर
1.	**श्री अवधेश कुमार जायसवाल पुत्र सुखादी राम जायसवाल**, 108/के, कनय परिसर रोड, आईडिया टावर के पास, गंगापुर खुर्द, अंबिकापुर-497001, सरगुजा (छ.ग.)	**संपत्ति के स्वामीः श्री अवधेश कुमार जायसवाल** खसरा नं. 202/16 वार्ड नं. 47, गंगापुर वार्ड, गंगापुर खुर्द, अंबिकापुर, जिला- सरगुजा छत्तीसगढ़-497001, क्षेत्रफल 161.46 वर्गमीटर भूतल में निर्मित भूमि एवं भवन। **चौहद्दीः उत्तर-** सड़क, **दक्षिण-** शांति देवी का प्लॉट, **पूर्व-** सड़क, **पश्चिम-** शांति देवी का प्लॉट। **सांकेतिक कब्जा.**	03/05/2019 / ₹ 9,24,121.00 + उस पर ब्याज व अन्य व्यय / 06/07/2019	₹ 17,27,000 / ₹ 1,72,700 / ₹ 50,000	Namnakala / Mr. Prakash Singh Mob: 7350289014

निरीक्षण की तिथि एवं समय	ईएमडी राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
11/08/2025 सुबह 10:00 बजे से 3:00 बजे के बीच	14/08/2025, दोपहर 3:00 बजे तक	14/08/2025 सुबह 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक

ई-नीलामी "जैसी है जहां है", "जैसी है जो है" और "जो कुछ है आधार" पर आयोजित की जा रही है।

1. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और सूचना के अनुसार, संपत्ति पर कोई भार नहीं है सिवाय एसए-111/2021 जो कि तीसरे पक्ष के द्वारा डीआरटी, जबलपुर में दायर की गई है जिसका अंतिम निपटान लंबित है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले ऋणभार, नीलामी में रखी गई संपत्ति के शीर्षक और दावों/अधिकारों/बकाया/संपत्ति को प्रभावित करने के संबंध में अपनी स्वतंत्र जांच करनी चाहिए।
2. बोलीदाताओं को निम्नलिखित औपचारिकताएं पहले ही पूरी करनी होंगीः **चरण 1-** बोलीदाता/क्रेता पंजीकरणः बोलीदाता को अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी का उपयोग करके ई-नीलामी पोर्टल **https://www.ebkray.in** पर पंजीकरण करना होगा। **चरण 2-** केवाईसी सत्यापनः बोलीदाता को अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। केवाईसी दस्तावेजों को ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित किया जाएगा (इसमें दो कार्य दिवस लग सकते हैं)। **चरण 3-** ईएमडी राशि का उसके ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में स्थानांतरणः ई-नीलामी पोर्टल पर उत्पन्न चालान का उपयोग करके एनईएफटी / ट्रांसफर का उपयोग करके फंड का ऑनलाइन /ऑफ-लाइन हस्तांतरण। **चरण 1** से **चरण 3** बोलीदाता द्वारा ई-नीलामी तिथि से पहले काफी पहले ही पूरा कर लिया जाना चाहिए। पते के प्रमाण की प्रति, जिसके बिना बोली अस्वीकृत की जा सकती है।
3. ई-नीलामी के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया अपनी बोलियां जमा करने और इसमें भाग लेने से पहले **https://www.ebkray.in** और सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी **https://www.ebkray.in** देखें। ई-नीलामी।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत वैधानिक 30 दिनों की बिक्री

उधारकर्ताओं/गारंटरों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वे ई-नीलामी की तारीख से पहले अद्यतन ब्याज और सहायक खर्चों के साथ ऊपर उल्लिखित राशि का भुगतान करें, ऐसा न करने पर संपत्ति की ई-नीलामी/बिक्री की जाएगी और बकाया राशि, यदि कोई हो, ब्याज और लागत की वसूली की जाएगी।

दिनांक : 09.07.2025 स्थानः अंबिकापुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी / सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

SAMSUNG

Galaxy Z Fold7

Galaxy AI

4.2mm
Slimmest Galaxy Z Fold yet

200MP Camera
with ProVisual Engine

Snapdragon 8 Elite
for Galaxy

Pre-order now

Buy 256GB. Get 512GB.
^Free memory upgrade worth ₹ 12000

24 months no-cost EMI*
Zero down payment

BAJAJ FINSERV | HDFC BANK | IDFC FIRST Bank | TVSCREDIT | Samsung Finance+™

samsung.com

Please dispose of e-waste and plastic waste responsibly. Customers can WhatsApp on 180057267664 for information on e-waste/plastic waste.

Image simulated, actual may vary. Actual UX/UI may vary. Color and features as per availability. Samsung account login is required for certain AI features. Samsung does not make any promises, assurances, or guarantees as to the accuracy, completeness or reliability of the output provided by AI features. Samsung promotes responsible use of Artificial Intelligence (AI) features. *T&C apply. 24 months no cost EMI only applicable on NBFC. Eligibility for EMI at the sole discretion of the financiers including those listed on Samsung Finance+ (Financier T&C applies). ^Pre-order customers of Galaxy Z Fold7 256 GB are eligible to benefits of memory upgrade from 256 GB to 512 GB worth ₹ 12000. Offer valid till 24 July 2025. Offer can be revised or withdrawn without prior notice. All third party logos/brands are trademarks/registered trademarks of the respective brand/company. Samsung disclaims any and all liabilities thereof.

Scan and experience Galaxy AI

Or WhatsApp "Hi" to 9870 494949 to pre-order at Samsung Experience Store

Cheil-26941/25

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com